जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

चूरू, मंगलवार 28 जून, 2022

MARUTI SUZUKI ARENA

शानदार कार्स. दमदार ऑफ़र्स.

घर लाएँ अपनी पसंदीदा मारुति सुजुकी एरीना कार और पाएँ शानदार फाइनेंस विकल्प.

कम डाउन पेमेंट^

100% तक ऑन-रोड फंडिंग^

बड़ी बचत

CELERIO ₹50 100*
DZIRE ₹19 100*
SWIFT ₹30 100*
WAGONR ₹54 100*
S-PRESSO ₹14 100*

ऑफर सिर्फ़ स्टॉक रहने तक मान्य है।

CELERIO SWIFT S-PRESSO DZIRE WAGONR

E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership | For bulk orders, mail at: ankit.syal@maruti.co.in

AUTHORISED DEALERS: CHURU: AURIC MOTORS: CALL: 01562-250696, 8875010502. **BIKANER: DUDI AUTOMOBILES:** CALL: 0151-2942222, 0151 -3550418, 7412075151. PADAMPUR: CALL: 7412075151. **AURIC MOTORS**: CALL: 0151-2251819, 9529251819, 9636045111. **AJMER: RELAN MOTORS**: CALL: 0145-2610106, 9214444222. **AJMER AUTO**: CALL: 0145-2425200, 9314531845, 9314391004. **JAIPUR: VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** DAUSA: CALL: 9887851795. LALSOT: CALL: 9460654936. BANDIKUI: CALL: 9887456970. MAHWA: CALL: 9950780018. MEHANDIPUR BALAJI: CALL: 9782445691. UNIARA: CALL: 9785791929. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** PHULERA: CALL: 7412077062. SAMBHAR: CALL: 7412068410. ACHROL: CALL: 7412077078. **FORTUNE CARS:** KARAULI: CALL: 8875001175/ 8875005132. HINDAUN: CALL: 9214794314 / 8875007758. **PREM MOTORS PVT. LTD.:** BASSI: CALL: 8058794167 / 8058794137. SAWAI MADHOPUR: CALL: 07462-220029 / 8058799005 / 8058794181. GANGAPUR CITY: CALL: 8058794021. BAGRU: CALL: 8058794032. KOTPUTLI: CALL: 8058794121. JOBNER: CALL: 8058796065. RENWAL: CALL: 8058600117. RENWAL-MANJHI: CALL: 8058794042. DUDU: CALL: 8058794168. PHAGI: CALL: 8058403338. KANOTA: CALL: 8058794341. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** TONK: CALL: 9549651924. CHAKSU: CALL: 9549651926. SHAHPURA: CALL: 8696925275. DEOLI: CALL: 8696934957. MALPURA: CALL: 9549650513. NIWAI: CALL: 9667777114. PAOTA: CALL: 9549650495. VIRATNAGAR: CALL: 6350612446. JAMWA RAMGARH: CALL: 6350612727. **SANGA AUTOMOBILES PVT. LTD.:** CHOMU: (MORIJA ROAD): CALL: 9772210096 / 9772210906. GOVINDGARH: CALL: 9772210451. **ALWAR: MG MOTORS**: CALL: 9001795515, 9001795517, 8003692651, 8003692652, 8003090466. **SRIGANGANAGAR: AURIC MOTORS**: CALL: 0154-2466225, 8955559963. **DUDI AUTOMOBILES:** PADAMPUR: CALL: 7412075151. **SIKAR: JAMU AUTOMOBILES**: CALL: (01572) 245515 / 246219. **NEEM KA THANA: JAMU AUTOMOBILES**: CALL: 9785644715. **JHUNJHUNU: AURIC MOTORS**: CALL: 8955664400. **KOTA: BHATIA & COMPANY:** CORPORATE OFFICE: 23-24, INDUSTRIAL ESTATE: CALL: 0744-2365092, 9829035100. DAKANIYA SHOWROOM: G-11-12, AUTO MOBILE ZONE, NEAR DAKANIYA STATION: CALL: 0744-2439000, 9829799009. **SUWALKA MOTORS PVT. LTD.:** KUNHARI: CALL: 0744-2370272, 9116312345, 7300308888. SULTANPUR: CALL: 9116178527. BHAWANIMANDI: CALL: 9116178557. **JODHPUR: AURIC MOTORS PVT LIMITED:** SARASWATI NAGAR, NEW PALI ROAD: CALL: 0291- 2722691, 9015900500. BALESAR: 7412092350. **SHRI KRISHNA AUTO SALES PVT. LTD.:** PRATAP NAGAR: CALL: 0291-2762064/65, 9929244403, 9829144436. BHINMAL: CALL: 02969-222438, 9680059999. RANIWARA: CALL: 9116124669, 9929244403. **L.M.J. SERVICES LTD:** A-11, INDUSTRIAL ESTATE, OPP. UDYOG BHAWAN, NEW POWER HOUSE ROAD: CALL: 8094011123, 8094011151, 0291- 2630478/79/80. **NAGAUR: MANGALAM MOTORS**: CALL: 9116008626, 9116008630. **PALI: L.M.J. SERVICES LTD.:** CALL: 02932 - 256177, 8094011136. **SIROHI: NAVNEET MOTORS:** CALL: 02972-222917-18, 7665010638. **UDAIPUR: NAVNEET MOTORS**: MADRI: CALL: 0294-2494454, 7230046380. CITY STATION ROAD: CALL: 0294-2415142, 7230046381. **TECHNOY MOTORS:** GOVARDHAN VILLAS: CALL: (0294) 2485158, 2485738, 9982666809. **BANSWARA: NAVNEET MOTORS**: CALL: 9414159145, 7665010632, 7412074100. **BHILWARA: LOHIA AUTOMOBILES**: CALL: 01482-264061, 264144, 09799545333, 09950512555. **CHAMPION CARS**: CALL: 01482-267135, 9602892423, 7727863720. **BHARATPUR: TM MOTORS:** CALL: 05644-220970, 226392, 9251423393, 9251423395, 8094000626. **CHITTORGARH: BHATIA & COMPANY**: CALL: 9413316092, 9413316399.

*Offer includes consumer offer, retail support, exchange offer and ISL/Rural offer (wherever applicable) on Celerio (Petrol & AGS- all variants), Swift (Petrol & AGS- all variants), S.Presso (Petrol & AGS- all variants), Dzire (Petrol & AGS- all variants), and WagonR (1.0L Petrol & AGS- all variants). ^Finance scheme details mentioned in the Advertisement are at the sole discretion of the financier and terms and conditions as specified by the financier shall apply. Credit at the sole discretion of the bank. Up to 100% on-road funding is provided by select financiers only. ^*Terms & Conditions apply. The terms and conditions are subject to change without any prior notice. All offers are brought to you by Maruti Suzuki dealers only. Offers may vary from variant to variant. All offers shown are valid for limited period & for limited stock only. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. Colors shown may vary from actual body colors due to printing on paper. Images used are for illustration purposes only. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. Above offers are valid till 30th June 2022

विचार बिन्दु

चापलूस आपको हानि पहुंचा कर अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहता है। –हरिऔध

यह कैसा लोकतंत्र?

"भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है", यह वाक्य हम विश्व के लगभग सभी मंचों पर भारतीय नेताओं से सुनते रहते हैं। इसके कारण हम भारतीय, गौरव का अनुभव भी करते हैं।

स्वतंत्रता के पश्चात, देश की जनता ने इसे सही सिद्ध भी किया है। उदाहरणार्थ, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1975 में देश में आपातकाल लागू किया तो एक बार ऐसा लगा कि शायद देश में लोकतंत्र सदैव के लिए विदा हो गया है, किंतु मार्च 1977 में हुए चुनावों ने यह सिद्ध किया कि लोकतंत्र न केवल जीवित है अपितु सुदृढ भी है। जनता ने इसका परिचय सर्व शक्तिशाली इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस को हराकर, नव गठित जनता पार्टी को भारी बहुमत से जिता कर दिया।

इसके पश्चात समय-समय पर कई ऐसी घटनाएं हुई जो लोकतंत्र की मूल भावना के विपरीत थीं, जिससे यह लगा कि भारत में वास्तविक लोकतंत्र को खतरा उत्पन्न हो रहा है। सत्तर के दशक में निर्वाचित विधायकों ने हरियाणा में जिस तेजी से बार-बार दल बदले, उसे 'आया राम, गया राम' का नाम दिया गया। इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए 1985 में दलबदल विरोधी कानून बनाया गया। इसके अंतर्गत यह प्रावधान किया गया कि कोई भी निर्वाचित सदस्य दल बदलने पर अपनी सदस्यता खो देगा। यदि किसी विधायक दल के एक तिहाई सदस्यों के एक साथ दल बदलने पर उसकी सदस्यता बनी रहती थी। इससे भी जब दल बदल की प्रवृत्ति पर प्रभावी अंकुश नहीं लगा तो बाद में इसमें संशोधन कर एक तिहाई की अनिवार्यता को बढ़ाकर दो तिहाई कर दिया गया। यह लिखने की आवश्यकता नहीं है कि दल बदल किसी वैचारिक आधार पर नहीं होकर केवल मात्र पद और धन के लोभ में ही होता है।

गत सप्ताह जो घटनाक्रम महाराष्ट्र में चला, उसने तो एक बार पुनः भारतीय लोकतंत्र को उपहास का पात्र बना दिया है। ऐसा कहने का आधार क्या है यह निम्न विवेचन से स्पष्ट हो जाएगा।

2019 के विधानसभा चुनाव में महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना का चुनाव पूर्ण समझौता था। उन्होंने आपस में सीटों का बंटवारा किया था ।इन दोनों दलों को मिलाकर बहुमत से कहीं अधिक सीटें प्राप्त हुईं। जनादेश स्पष्ट रूप से भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना के गठबंधन को मिला था। चुनाव के परिणाम आने के बाद मुख्यमंत्री पद की महत्वाकांक्षा के कारण बहुत खींचतान चली। भाजपा देवेन्द्र फड़नवीस को मुख्यमंत्री बनाना चाहती थी, जबकि शिवसेना उद्धव ठाकरे को। शिवसेना का कहना था कि ऐसा आश्वासन भाजपा द्वारा उन्हें दिया गया था।

जब भाजपा ने उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाने से इन्कार कर दिया, तो उसने राष्ट्रवादी काँग्रेस के अजीत पवार को उपमुख्यमंत्री पद का प्रलोभन देकर, देवेन्द्र फड़नवीस को मुख्यमंत्री पद की शपथ सुबह होने से पहले ही राजभवन में दिलवा दी। ऐसी न ही चलनी थी और न ही चल पाई। यह तीन दिन में ही गिर गई और उद्धव ठाकरे ने राष्ट्रवादी काँग्रेस और कॉग्रोस के साथ मिलकर महा विकास संगठन बनाकर सरकार बना ली।

फलस्वरुप, शिवसेना ने भाजपा से अलग होने का निर्णय किया और कांग्रेस तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस के साथ मिलकर महा विकास अघाडी गठबंधन बनाया। यह सर्वविदित है के भाजपा और शिवसेना का गठबंधन कई वर्षों से महाराष्ट्र में बना हुआ था उन्होंने साथ ही कई चुनाव लड़कर विजय भी प्राप्त की थी। जनता ने भी इसी गठबंधन के पक्ष में जनादेश दिया था जिसे बदलते हुए एक अवसरवादी राजनीति का परिचय देते हुए महा विकास आघाडी का गठबंधन हुआ और महाराष्ट्र में सरकार बनी। निश्चित रूप से, महाराष्ट्र के मतदाताओं ने स्वयं को ठगा हुआ महसूस किया होगा।

कहा जाता है, इतिहास अपने आप को दोहराता है। यही कहावत महाराष्ट्र के मामले में सटीक बैठती है जो काम शिवसेना ने भाजपा के साथ किया था, वही काम अब भाजपा, शिवसेना के साथ कर रही है।

शिवसेना के नंबर दो के नेता एकनाथ शिंदे ने लगभग 40 शिवसेना विधायकों के साथ उद्धव ठाकरे के विरुद्ध विद्रोह करते हुए अलग गुट बना लिया। एक नाथ शिंदे गत 8 दिन से मीडिया में चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। पहले ये विधायक सूरत के एक पांच सितारा होटल में ठहरे और गत 7 दिन से गुवाहाटी के पांच सितारा होटल में ठहरे हुए हैं। इनकी एक एक गतिविधि पर मीडिया द्वारा ऐसी नजर रखी जा रही है और 24 घण्टे इनसे संबंधित समाचारों को ऐसे प्रसारित किया जा रहा है जैसे देश में इसके अलावा कोई खबर है ही नहीं।

विधायकों को अपनी प्रतिबद्धता बदलने का अवसर दल बदल कानून की कमियों के कारण मिलता है। फिलहाल यह मामला कानूनी दांवपेच में फंसा हुआ है, एक दृष्टिकोण यह है के दो तिहाई से अधिक अलग हुए विधायक तभी अयोग्यता से बच सकते हैं जब वह किसी दल में विलय हो जाएं।

लोकतंत्र, "जनता का, जनता के लिए और जनता द्वारा" किए गए शासन का नाम है, किंतु नेतागण, जिस प्रकार चुने जाने के बाद, अपनी राजनीति प्रतिबद्धता गिरगिट से भी तेज गति से बदलते हैं, उसे देखकर तो ऐसा लगता है कि लोकतंत्र केवल नाम के लिए है। अब उनका उद्देश्य केवल मात्र एक है, येन-केन-प्रकारेण सत्ता में बने रहना अथवा सत्ता प्राप्त करना। फिर चाहे, इसके लिए उसे जनता के साथ विश्वासघात ही क्यों न करना पड़े।

विधायकों को अपनी प्रतिबद्धता बदलने का अवसर दल बदल कानून की कमियों के कारण मिलता है। फिलहाल यह मामला कानूनी दांवपेच में फंसा हुआ है, एक दृष्टिकोण यह है के दो तिहाई से अधिक अलग हुए विधायक तभी अयोग्यता से बच सकते हैं जब वह किसी दल में विलय हो जाएं। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले विधायकों ने अभी तक ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया है। इसी कारण इनमें से 16 विधायकों को दल से निष्कासित करने का निर्णय शिवसेना ने लिया है। इस आधार पर विधानसभा के उपाध्यक्ष ने इन विधायकों को अयोग्य घोषित करने हेतु नोटिस दिया है। इस नोटिस को एकनाथ शिंदे के गुट द्वारा उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई है। कानूनी रूप से तो इसका निर्णय उच्चतम न्यायालय कर देगा किंतु कुछ प्रश्न इसके बाद भी अनुत्तिरत ही रहेंगे।

पहला, विधायकों को पांच या सात सितारा होटलों में बंधक करके रखने की क्या आवश्यकता है? क्या उनके विधायक कोई वस्तु हैं, जिन्हें कोई बोली लगाकर खरीद कर ले जाएगा? विधायकों एवं दलों के आचरण से तो कुछ-कुछ ऐसा ही प्रतीत होता है कि उन्होंने स्वयं को एक प्रकार से मंडी में खड़ा कर रखा है कि कोई भी आए और अधिकतम दाम लगाकर उन्हें ले जाए। क्या राजनीतिक दलों को अपने विधायकों पर बिल्कुल विश्वास नहीं है जो उन्हें बड़े-बड़े होटलों में बंदी बनाकर रखा गया है। कुछ-कुछ इसी प्रकार का घटनाक्रम हमने राजस्थान में भी देखा था, जब सचिन पायलट ने कुछ समर्थक विधायकों के साथ मिलकर कांग्रेस सरकार को एक प्रकार से अस्थिर कर दिया था। उस समय भी, कई दिनों तक कांग्रेस विधायक एक बड़े पांच सितारा होटल में कई दिनों तक रहे थे। अब यही क्रम महाराष्ट्र के विधायकों द्वारा दोहराया जा रहा है।

दूसरा, विधायकों को आलीशान होटलों में कई दिनों तक ठहराने का खर्चा कौन उठा रहा है? क्या इसे विधायकों को प्रलोभन देना मानकर, निर्वाचन आयोग इसका संज्ञान नहीं ले सकता?

तीसरा, असमंजस की इस पूरी अवधि में जन हित के विभिन्न कार्य लंबित रहने से जनता को जो परेशानी हुई, उसका जिम्मेदार कौन है? इस अवधि में राज्य की शासन व्यवस्था ठहर सी जाती है क्योंकि कोई भी नीतिगत निर्णय मंत्रियों द्वारा नहीं लिए जाते हैं। उनका पूरा ध्यान केवल अपने विधायकों को पक्ष में बनाए रखने पर रहता है।

इसी परिप्रेक्ष्य में, शिवसेना के संजय रावत का यह बयान निंदनीय है कि गुवाहाटी से एकनाथ शिंदे के साथ वाले विधायकों की लाशें मुंबई आएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि लाखों शिव सैनिक केवल उनके इशारे की प्रतीक्षा कर रहे हैं और वह किसी भी स्थिति तक जा सकते हैं। इसी उकसाने का ही परिणाम है कि महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों पर उग्र प्रदर्शन हुए जिनमे आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएँ हुईं। दोनों पक्षों के बयानों का स्तर बहुत नीचे चला गया है। इस पूरी आपाधापी में, लोक कल्याण एवं जनता द्वारा अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों में व्यक्त किए गए विश्वास का कहीं कोई नामों निशान नहीं दिखाई देता है।

होना तो यह चाहिए कि दल बदल कानून पर एक बार इन अनुभवों के आधार पर पुनर्विचार किया जाए एवं ऐसी व्यवस्था की जाए कि किसी व्यक्ति के उस दल के अनुशासन के बाहर जाने पर उस व्यक्ति की सदस्यता स्वतः ही समाप्त हो जाए। इसमें किसी प्रकार का अपवाद नहीं रखा जाय। यदि वह दल छोड़ना चाहे तो उसे दोबारा जनता द्वारा चुनकर आना होगा। जब सदस्यों की सदस्यता समाप्त होगी, तो कोई भी निर्वाचित प्रतिनिधि विधायक दलबदल करने से पहले सौ बार सोचेगा। हाँ, किसी विषय पर गुण-अवगुण के आधार अपने दल से अलग विचार रखने पर उसे दल बदल नहीं माना जाय। इससे सदनों में सदस्य गण दल के गुलामों की तरह व्यवहार करने को बाध्य नहीं होंगे। इस हेतु आवश्यक संशोधन कानून में किया जा सकता है।

जनप्रतिनिधियों की इस विकृत मानसिकता का एक प्रमुख कारण यह भी है कि उनके लिए में आने का उद्देश्य जनता की सेवा नहीं अपितु स्वयं के लिए अकूत धन की व्यवस्था करना है ताकि पीढ़ियों तक का इन्तेजाम हो जाय।

अधिकांश जनप्रतिनिधियों के पास आय का कोई साधन न होने पर भी उनकी संपत्ति में दिन दूनी रात चौगुनी वृद्धि कैसे हुई है, इसकी जांच करना असंभव नहीं है, किंतु सामान्यतय ऐसा होता दिखाई नहीं देता। जब कभी होता भी है तो उसका उद्देश्य केवल राजनीतिक विरोधियों को प्रताड़ित या भयभीत कर अपने पक्ष में करने का होता है। हाल ही में ई डी, इनकम टैक्स और सीबीआई द्वारा की गई विभिन्न कार्यवाही से तो ऐसा ही प्रतीत होता है। आंकड़े बताते हैं कि इन एजेंसियों द्वारा गत सालों में की गई कार्रवाई में सफलता अंततः केवल 1 प्रतिशत से भी कम में मिली है।

विभिन्न राज्यों में विभिन्न राजनैतिक दलों के कार्य और व्यवहार को देखकर आम नागरिक के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है - 'यह कैसा लोकतन्त्र?'

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

वयः संधि और हिंसाः वैज्ञानिक विश्लेषण की आवश्यकता है

मानव जीवन में वय की गति के अनुसार बड़े वैयक्तिक परिवर्तन आते हैं। वयः संधि को हम शैशवावस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था, युवावस्था, प्रौढ़ावस्था और वृद्धावस्था में बांट सकते हैं।

उम्र की एक अवस्था से दूसरी अवस्था में प्रवेश करने के बीच वाले वर्षों को वयःसंधि कहते हैं और ये चंद वर्ष हर व्यक्ति के जीवन में बड़ा परिवर्तन लाने में सक्षम होते हैं क्योंकि विभिन्न हार्मोन्स के प्रभाव से व्यक्तित्व में बहुत संभावित बदलाव होते हैं। इतिहास को देखा जाए तो समाज के कालजयी मार्गदर्शकों ने बौद्धिकता की तरफ जाने के मार्ग भी बताए हैं पर व्यवहार में देखें तो हजारों खिठा पैदा कर चुकी है नस्ल आदम की है सब तस्लीम लेकिन आदमी फिर भी भटकता है।

(खिज़्र = पथप्रदर्शक।
तस्लीम = स्वीकार)

पर बहुत सारे छद्म पथप्रदर्शक जीवन को भ्रष्ट भी करते हैं। आजकल चारों तरफ जो अर्थहीन उत्तेजना का माहौल बना हुआ है उसके पीछे कितने ही व्यक्तिगत स्वार्थ में लिप्त जनहित का चोगा पहने लोगों का ही तो हाथ है। दिशाहीनजन उत्तेजना सूखे जंगल में फैली आग जैसी होती है। वैश्विक स्तर के अध्ययन बताते हैं कि अपने कार्य स्थल पर मध्य वय के लोग ज्यादा हिंसा करते हैं। सामाजिक और राजनीतिक विष वमन भी ये लोग ही अधिक करते हैं। स्कूल में हिंसा किशोरावस्था के आखिरी और युवावस्था के प्रारंभिक समय में ज्यादा की जाती है। यही समूह आत्म हत्याओं में भी अग्रणी होता है। बाहरी हिंसा ही आंतरिक हिंसा की जननी होती है।

अमेरिका के अखबार वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार निर्दोष जन समूह पर गोलियों की बरसात करने वालों में 98 प्रतिशत पुरुष होते हैं जिनमें से 40 प्रतिशत 18 से 29 वर्ष के होते हैं और बाकी 30 प्रतिशत 30 से 45 वर्ष के पाए गए हैं। इनमें से अधिकतर अवसादठास्त और अकेलेपन के शिकार होते हैं और उनको समाज या राष्ट्र में अपना कोई स्थान नजर नहीं आता था इसलिए वे अपने हिसाब से दुनिया को समाप्त करने निकल पड़े थे।

मनोवैज्ञानिक पीटर लंगमन के अनुसार क्षत हुआ पुरुषत्व, असहाय होने का अहसास, शासकीय पक्षपात की अवधारणा आदि मुख्य कारण हैं जिनकी वजह से कोई व्यक्ति अनजान और निर्दोषों की हत्या करता है। इसके अलावा जिन पुरुषों के जीवन में स्त्री का साथ नहीं होता है वे इस कारण अक्सर हिंसक हो जाते हैं। कुछ लोग महज प्रसिद्धि पाने के लिए भी हत्याएं करते हैं। कभी कभी फैंटेसी की दुनियां में पहुंचे लोग भी हत्यारे हो सकते हैं या फिर व्यापक स्तर पर हिंसा फैला सकते हैं। हिंसा के द्वारा वे इतिहास में स्थान बनाना चाहते हैं। पर इतिहास तो साधारणतम लोगों को याद करता है जैसे कबीर, रहीम, सूरदास, रैदास, बाल्मीकि, चोखामेला, नामदेव आदि। बाकी ऐतिहासिक पात्रों की याद समय

डॉ. रामावतार शर्मा

समय पर जब तक सूरज चांद रहेगा टाइप नारे लगा कर दिलवाई जाती है।

सामाजिक सामंजस्य और संपर्क का अभाव, किन्ही बाहरी या अंदरूनी कारणों से बेचैनी, भविष्य का अंधकारमय होना आदि भी किसी व्यक्ति को हिंसक बनने का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा हर हिंसक हत्यारे के पीछे तकरीबन सौ ऐसे लोग होते है जो किसी की हत्या करने की सोचते तो जरूर हैं पर उनका विवेक उन्हें ऐसा करने से रोक लेता है। पर बदलते माहौल में इन सौ में से कितने लोग हिंसा को अपनाएंगे यह एक विचारणीय विषय होना चाहिए। याद रखा जाय कि हिंसा को रोकना ही एक मात्र उपाय है। प्रतिहिंसा तो हिंसा को उर्वरक प्रदान करती है।

लोग अल्पकालीन उद्देश्य पूर्ति के लिए हिंसा का सहारा लेकर आगे बढ़ जाते हैं और पीछे रह जाती हैं तबाहियों की निशानियां जैसा कि कवि दुष्यंत ने कहा था :-

तुम क्या जानो इस आंधी में, कई घरौंदे टूट गए इन असफल निर्मितियों के शव, कल पहचाने जायेंगे।

हिंसा को नियंत्रित करने में हमें विज्ञान का सहारा लेना चाहिए। अमेरिका के मनोरोग विशेषज्ञ डॉक्टर जोनाथन मेट्जे का मानना है कि हमें विकसित होते मानव मन का और अधिक अध्ययन करना चाहिए। एक अति महत्वपूर्ण अध्ययन में पता चला है कि हमारे मस्तिष्क का एक भाग होता है जिसे प्री फ्रंटल लोब कहा जाता है। यह हिस्सा निर्णय लेने और उसके परिणामों के बारे में विश्लेषण करता है। इस भाग को पूर्ण विकसित होने में पच्चीस वर्ष लगते हैं यानि पच्चीस साल तक किसी मनुष्य को सामान्य परिस्थितियों में न तो हथियार देना चाहिए, ना विवाह करना चाहिए, न कार और मोटरसाइकिल देनी चाहिए और ना ही वोट देने का अधिकार। उपरोक्त विषयों का गहन प्रशिक्षण तो दिया जा सकता है पर अधिकार पच्चीस साल की उम्र में ही मिलना चाहिए। देखा गया है कि सड़क दुर्घटनाओं में ज्यादातर वाहन चालक युवक ही होते हैं जिन्हे बिना किसी प्रशिक्षण के 18 से 20 वर्ष की उम्र में ड्राइविंग लाइसेंस मिल गया होता है। ध्यान रहे कि कड़े अनुशासन के बावजूद सेना भी अपने सैनिकों को शांति काल में हथियार नहीं रखने देती है।

हालांकि पच्चीस वर्ष की उम्र के बाद वाहन चलाने के अधिकार या मतदान आदि की बात पर बहुमत विरोध जताता नजर आएगा पर सड़कों पर लहराती मोटरसाइकिल, तीव्र गति से दौड़ती कारें, एक तरफा होते मतदान, वैवाहिक हिंसा आदि देखने पर उपरोक्त बातें सार्थक लगेंगी। चीन तथा पश्चिमी और खाड़ी पार के देशों में वाहन चालन का अधिकार जीवन की एक उपलब्धि है, भारत की तरह रिश्वत बटोरने का जरिया नहीं। मानव बम ज्यादातर बालक या युवक होते हैं। हिंसक लोग छोटे बच्चों को केंद्र में रख कर ही पूरी धरती को अशांत करने में लगे रहते हैं। गीली मिट्टी ही मनचाहे रूप में डाली जा सकती है। हर देश का शासक अक्सर बच्चों को संबोधित और बाल अभिमान को पोषित करता है ताकि भविष्य में अनुपालकों की संख्या में वृद्धि हो सके।

अमेरिका के हत्या कांडों के शोधकर्ता जिलियन पीटरसन और जेम्स डेंसले ने अपनी पूरी उम्र स्कूलों में होने वाली हिंसा के अध्ययन को समर्पित की है। उनके निष्कर्ष के आधार पर तरूणावस्था और युवावस्था की वयःसंधि और फिर कुछ युवावस्था का आखिरी दौर एक व्यक्ति का बड़ा महत्वपूर्ण समय होता है। समाज और सरकार यह व्यवस्था स्थापित करे कि जीवन के पहले पच्चीस साल तक शिक्षा का आधार स्वविवेक विकास होना चाहिए वरना यहां बिखरी हुई लाशें, वहां कुछ हैं मकां टूटे किन्ही की किस्मतें फूटी, कई सपने हुए झूठे।

–डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

देश के जज़्बातों की पहली किरण : अयोध्या

देश में पिछले लगभग 1000-1200 वर्षों में जो हो रहा था, इन दिनों इसके ठीक विपरीत अयोध्या में जो चल रहा है, वह ऐतिहासिक है, एक नये भारत की शुरूवात है। अयोध्या में श्री राम का मंदिर निर्माण एक सामान्य मंदिर निर्माण की घटना नहीं है। एक क्रान्तिकारी परिवर्तन है। इसमें इतिहास को पलटने की गुंज है। सोया हुआ सनातन आज चैतन्य है, जागृत है। वो वक्त कुछ अलग था, यह वक्त कुछ अलग है।

इतिहास गवाह है पिछले बारह सौ वर्षों में भारत पर ज्यादातर समय मुगल शासकों ने राज किया। जिनका धन दौलत की लूटपाट एवं जबरन धर्म परिवर्तन के साथ-साथ मंदिरों को ध्वस्त करके, वहीं पर मस्जिद बनाना उनका मुख्य एजेण्डा होता था। परिणामस्वरूप देश में मंदिर ध्वस्त होते गये, मस्जिदें बनती गयी। मुगल शासकों का कारवां तोड़-फोड़ और धर्म परिवर्तन की पटरी पर आगे बढ़ता गया। हिन्दू संस्कृति एवं आस्था के केन्द्र मुगल शासकों की ज्यादती के शिकार होते गये। अंग्रेजों के राज में मंदिरों का ध्वस्त होना जरूर बन्द हो गया था। परन्तु अपने ईसाई धर्म के प्रचार-प्रसार में पूरे लगे हुए रहे। बाहुबल के स्थान पर धनबल के आधार पर धर्म परिवर्तन का कार्य करते रहे और आज भी कर रहे है। देश का पूर्वांचल एवं जनजाति क्षेत्र इसके जीवन्त उदाहरण है। आजादी के बाद भी ईसाई मशीनरीज़ विद्यालयों के माध्यम से देश की भावी पीढ़ी को राष्ट्रीयता और राष्ट्र-प्रेम से शून्य बनाने का काम षड़यंत्र पूर्वक परन्तु सम्मानित तरीके से कर रही है।

हमारा मानना है कि कायदे से तो 1947 में धर्म के आधार पर पाकिस्तान के निर्माण के साथ ही भारत के समस्त मंदिर, मस्जिदों से मुक्त हो जाने चाहिये थे। किसी संसद एवं न्यायालय की आवश्यकता नहीं रहनी चाहिये थी। परन्तु धर्म निरपेक्षता के चोले एवं अल्पसंख्यक मतदाताओं की संख्या ने देश को अशान्ति की भट्टी में झोंक दिया।

हिन्दु बहुसंख्या के आधार पर हिन्दुस्तान बनने पर हिन्दुओं को एक राहत जरूर मिली कि मंदिरों की तोड़-फोड़ बन्द हो गयी। परन्तु दुखद पक्ष यह रहा कि देश में 70 वर्षों की आजादी के

डॉ. कैलाश सोडाणी

बाद भी एक भी ध्वस्त मंदिर के पुर्ननिर्माण का कार्य प्रारम्भ नहीं हो सका। सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के पश्चात् अयोध्या में मंदिर निर्माण के प्रथम अध्याय का शुभारम्भ हुआ। इसलिए यह सामान्य नहीं, एक ऐतिहासिक एवं गौरवशाली शुभारम्भ है। इस सम्बन्ध में दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि मंदिरों को ध्वस्त कर के मस्जिद निर्माण का निर्णय तत्कालीन राजाओं ने किया। किसी न्यायालय का निर्णय नहीं था।

आजादी के अमृत महोत्सव तक की यात्रा पूर्ण करने तक भी इस प्रकार का निर्णय करने की ताकत आज के राजा के पास नहीं है। राजनीति विज्ञान की पुस्तकों में पढ़ाया जाता है कि तलवार की नोक के बल पर बने बादशाहों से तो प्रजातांत्रिक व्यवस्था से निर्वाचित बादशाह ज्यादा ताकतवर होता है। धरातल पर इस स्थिति का देश को इन्तजार है।

अनुभव साक्षी है कि न्यायालयों के भरोसे तो मंदिरों के पुर्ननिर्माण का कार्य सैकड़ों वर्षो तक भी सम्भव नहीं है। इस तकलीफ का कारण यह है कि देश के माननीय न्यायाधीश प्रायः कानून की किताब पढ़ने के बजाय सुबह का अखबार पढ़ कर निर्णय लिखवातें है। सर्वोच्च न्यायालय को इसलिए अयोध्या में राममंदिर निर्माण के निर्णय में इतना समय लग गया। आज निर्णय होना और अब तक नहीं होना कारण स्पष्ट है। मैं अभी हाल ही में अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के प्रबन्ध मण्डल की बैठक में भाग लेने गया, उस समय अयोध्या का भी अवसर मिला। रामलला के दर्शन लाभ के साथ-साथ यह जानकर अत्यन्त हर्ष का अनुभव हुआ कि मंदिर की भव्यता के अनुरूप ही पूरी अयोध्या नगरी को आकर्षक बनाने का काम बड़े जोर-शोर से चल रहा है। रेलवे स्टेशन एवं एयरपोर्ट को सैकड़ों करोड़ रूपये के बजट से अत्याधुनिक बनाये जा रहे है। सरयू नदी के किनारों को अहमदाबाद के साबरमती के रिवर फ्रन्ट की भाँति आकर्षक बनाया जा रहा है। भारतीय संस्कृति, इतिहास, आयुर्वेद, योगा आदि पर शोध हेतु वैदिक विश्वविद्यालय खड़ा किया जा रहा है।

कुल मिलाकर विज़न यह है कि भव्य राम मंदिर के साथ-साथ अयोध्या को देश और दुनियॉ में एक श्रेष्ठ एवं आधुनिक धार्मिक तथा पर्यटन नगरी के रूप में स्थापित किया जावें। अयोध्या के कायाकल्प से पूरे शहर में हर्ष और उल्लास का वातावरण है। नगरवासियों के चहरे के भावों से ऐसा लगता है जैसे एक लम्बे वनवास के पश्चात् साक्षात भगवान श्री राम पुनः अयोध्या पधार रहे है।

–डॉ. कैलाश सोडाणी,
पूर्व कुलपति,
महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

आबकारी-पुलिस विभाग की लापरवाही से पुरातत्व स्थल शराबियों का अड्डा बना

चौरु/उनियारा, (निसं)। उपखंड क्षेत्र का प्रसिद्ध पर्यटक स्थल हाथी भाटा आबकारी-पुलिस विभाग की मेहरबानी से सुरा प्रेमियों का अड्डा बना हुआ है। जिसके चलते हुए सुरा प्रेमी खुलेआम पर्यटन स्थल पर शराब का सेवन कर मौज कर रहे हैं। वहीं पुलिस प्रशासन एवं आबकारी विभाग की कथित अनदेखी एवं उदासीनता के कारण यहा पर सुरा प्रेमियों की मौज हो गई है तथा हाथी भाटा की प्रतिमा के पास ही शराबियों द्वारा खुलेआम शराब की पार्टियां की जा रही है। जिसके कारण पर्यटकों के सामने गंभीर समस्याओं का अंबार लगा हुआ है।

आश्चर्य जनक बात तो यह है कि हाथी भाटा स्थल के मुख्य गेट से महज लगभग एक सौ फिट की दूरी पर ही आबकारी विभाग के अधिकारियों की मेहरबानी से शराब की दुकान संचालित है। सुरा प्रेमी शराब की दुकान से शराब लेते है और मजे से पर्यटक स्थल पर बैठकर शराब की पार्टियां खुल्लेआम करते हैं ।जिन्हें रोकने टोकने वाला कोई नहीं है। पुलिस प्रशासन भी इनके खिलाफ

स्थल के मुख्य गेट से महज सौ फीट की दूरी पर ही शराब की दुकान संचालित।

कार्रवाई करने के बजाय हाथ पर हाथ धरे मूकदर्शक बना हुआ है। इससे पर्यटक स्थल पर आने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार पर्यटक स्थल पर घूमने के लिए आने वाले पर्यटक शराबियों के पार्टियों को देखकर गेट के पास से ही बाहर वापस चले जाते हैं। यह बड़ी दुविधा एवं विडंबना है कि जिले का प्रसिद्ध पर्यटक स्थल आज शराबियों का अड्डा बन गया है और पर्यटकों को बढ़ावा देने के दावे करने वालों पर भी आज सवालियां निशान उठते नजर आ रहे हैं। फिर भी जिम्मेदार मौन साधे हुए हैं?

साइकिल से 26 दिन में 2500 किमी. का सफर तय कर घर लौटा विनीत

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं के एक युवा ने 26 दिनों में 2500 किलोमीटर की साइकिल यात्रा करके करीब पांच राज्यों के विद्यार्थियों को खेलों में भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने का संदेश दिया है। सोमवार सुबह यह युवा झुंझुनूं पहुंचा तो उसका स्वागत किया गया। दरअसल इंडाली गांव का रहने वाला विनीत भालोठिया ओडिसा के भूवनेश्वर की नाइजर कॉलेज में रिसर्च स्कॉलर है। साइकलिंग करना उसका शौक है।

इस बार उसने इस शौक को संदेश में बदलने के लिए तय किया कि वह अपने घर, यानि कि झुंझुनूं साइकिल से जाएगा। इसके बाद उसने एक जून को अपनी साइकिल यात्रा शुरू की। जो पांच राज्यों भूवनेश्वर, झारखंड, बिहार, यूपी और राजस्थान होते हुए आज संपन्न हुई। विनीत का झुंझुनूं पहुंचने पर छात्र नेता पंकज गुर्जर के नेतृत्व में स्वर्ण जयंती स्टेडियम में स्वागत किया गया। इस मौके पर विनीत ने बताया कि वर्तमान माहौल में खेलों को शिक्षा की बजाय कम महत्वत्ता मिल रही है। इसलिए उसने शिक्षा के साथ-साथ खेलों को महत्व मिले। इसी संदेश के साथ यह यात्रा एक जून को शुरू कर 27 जून को

विनीत के घर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया।

पूरी की है। विनीत ने बताया कि इस दौरान ना केवल राह चलते लोगों से वह मिला और खेलों की महत्वत्ता बताई। बल्कि आईआईटी भूवनेश्वर, पटना, बीएचयू, कानपुर और धनबाद में भी पढ ने वाले युवाओं से रूबरू होकर उन्हें जाना कि वे सबसे अलग क्यों होते है और उनमें खेलों को लेकर क्या रूझान है। जो काफी अच्छा रहा।

ढाबों पर काम करते मिले बच्चेः- विनीत ने बताया कि अब वे अगली राइड चाइल्ड लेबर को रोकने के लिए करेंगे। 2500 किलोमीटर की इस यात्रा के दौरान उसने कई ढ ाबों में बच्चों को काम करते देखा और उनसे बातचीत भी की। लगभग सभी बच्चों ने पढ ने की इच्छा जाहिर की। लेकिन किसी ना किसी मजबूरीवश वे पढ ने की उम्र में प्लेट साफ करते हुए मिले।

मौसम ने नहीं दिया साथः- विनीत ने बताया कि मौसम ने दूसरे ही दिन अपना रंग दिखाया और साथ नहीं दिया। वह भूवनेश्वर से निकलकर भदरक ओडिसा ही पहुंचा था कि तेज बारिश आने लगी। लेकिन विनीत ने रोज 100 किमी. की राइडिंग जारी रखी।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 28 जून, 2022

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2079, मृगशिरा नक्षत्र सांय 7:05 तक, गंड योग प्रातः 7:47 तक, शकुनि करण प्रातः 5:53 तक, चन्द्रमा मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-मेष, बुध-वृष, गुरू-मीन, शुक्र-वृष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज यमघट योग सांय 7:05 से सूर्योदय तक है। आज चतुरदशी में वृद्धि हुई हैं। आज पितृकार्य अमावस्या है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:05 से 10:47 तक, लाभ-अमृत 10:47 से 2:13 तक। शुभ 3:53 से 5:37 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:39, सूर्यास्त 7:20

मेष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता यथावत बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मिथुन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। महत्वपूर्ण मामलों में परिचितों से सहयोग मिलेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मन में असंतोष बना रहेगा। मानसिक तनाव बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

तुला
धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें दूर होने लगेंगी।

वृश्चिक
शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। शुभ कार्यों को टालना पड़ सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेंगी।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य सफल रहेंगे। नवीन कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

मकर
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा।

कुंभ
परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मीन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 14 संख्याः 60 प्रभात चूरू, मंगलवार 28 जून, 2022 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

अग्निपथ योजना के विरोध में एवं इस योजना को वापस लेने की मांग को लेकर कांग्रेस की टोंक इकाई ने डाक बंगले में स्थानीय विधायक एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के नेतृत्व में एक दिवसीय सत्याग्रह का आयोजन किया। इस सत्याग्रह का आयोजन ए.आई.सी.सी. की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी व पूर्व अध्यक्ष राजीव गांधी के निर्देशानुसार किया गया था। सत्याग्रह में बड़ी संख्या में युवा वर्ग व कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद थे, जिन्हें सचिन पायलट ने संबोधित किया।

'उन्होंने पहले भी मुझे नाकारा और निकम्मा कहा था लेकिन मैं उसका भी बुरा नहीं मानता'

सचिन पायलट ने कहा कि राहुल गांधी ने दिल्ली में मंच से मेरे सब्र की तारीफ की थी। उनके इस बयान से किसी को भी अनावश्यक रूप से परेशान नहीं होना चाहिए और इसको पॉज़िटिव रूप में लेना चाहिए

टोंक, 27 जून (निसं)। सचिन पायलट पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से दिए गए बयान के बाद अब पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने सीएम गहलोत के बयान पर पलटवार किया है। पायलट ने कहा कि "अशोक गहलोत मेरे लिए पिता तुल्य हैं, वे बुजुर्ग एवं अनुभवी हैं, उनकी बातों का मैं बुरा नहीं मानता हूं। उन्होंने पहले भी मुझे नाकारा और निकम्मा कहा था लेकिन मैं उसका भी बुरा नहीं मानता।"

सचिन पायलट ने आज टोंक में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि "कौन क्या कह रहा है इससे मुझे फर्क नहीं पड़ता। हमारा प्रयास यही है कि साल 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी फिर से सरकार कैसे बनाए। उन्होंने कहा कि 2013 के विधानसभा चुनाव में सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस पार्टी 21 सीटों पर सिमट गई थी अगर एक विधायक और कम रहता तो नेता प्रतिपक्ष का दर्जा भी नहीं मिलता। उसके बाद हमने विपक्ष में रहते हुए फिल्ड में 5 साल खूब रगड़ाई की और उसी के दम पर हमारी सरकार सत्ता में लौटी। हमारा प्रयास यही है कि जिन लोगों ने सरकार बनाने में अपना खून पसीना बहाया था, उन लोगों को सत्ता और संगठन में सम्मान मिलना चाहिए। राहुल गांधी ने दिल्ली में मंच से मेरे सब्र की तारीफ की थी। उनके इस बयान से किसी को भी अनावश्यक रूप से परेशान नहीं होना चाहिए और इसको एक पॉजिटिव रूप में लेना चाहिए। अगर किसी को तकलीफ हो रही है तो मैं क्या कर सकता हूं। उन्होंने कहा कि अब लोगों को परेशानी इतनी बढ़ गई है कि वह बोलते भी हैं तो इससे हमें फर्क नहीं पड़ता है।"

- **उन्होने कहा कि 2013 के विधानसभा चुनावों में सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस 21 सीटों पर सिमट गई थी, अगर एक विधायक और कम रहता तो नेता प्रतिपक्ष का दर्जा भी नहीं मिलता। उसके बाद हमने विपक्ष में रहते हुए 5 साल खूब फील्ड में रगड़ाई खाई और उसी के दम पर फिर से हमारी सरकार सत्ता में लौटी।**
- **हमारा प्रयास यह है कि, जिन लोगों ने सरकार बनाने में अपना खून पसीना बहाया था उन लोगों को सत्ता और संगठन में सम्मान मिलना चाहिए।**

सचिन पायलट ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का नाम लेते हुए कहा कि "गजेंद्र सिंह शेखावत केंद्र में इसलिए मंत्री बन पाए क्योंकि हम सत्ता में होने के बावजूद उनके सामने लोकसभा का चुनाव हार गए। यह हमसे चूक हुई है अगर हम लोकसभा चुनाव में कामयाब हो जाते तो शेखावत केंद्र में मंत्री नहीं बन पाते।

पायलट ने कहा कि अगले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी जोधपुर से चुनाव जीतेगी, जो चूक हमसे पहले हो गई थी इस बार वह चूक नहीं होगी और इस बार गजेंद्र सिंह को चुनाव हराएंगे। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हाल ही में सरकार गिराने की साजिश में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और सचिन पायलट के आपस में मिले होने का आरोप लगाया था। जिला प्रवक्ता जर्रार खान ने बताया कि इस अवसर पर संगठन जिला प्रभारी महेन्द्र सिंह खेडी, विधानसभा पर्यवेक्षक राजेश चौधरी, जिलाध्यक्ष लक्ष्मण चौधरी गाता, सभापति अली

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रूस दिवालिया होने के कगार पर, 100 मिलियन डॉलर के कर्ज़ का ब्याज़ नहीं चुका पाया

भारत ने सबसे अमीर देशों के साथ मंच पर उसी दिन शिरकत की, जिस दिन वर्ष 2014 में रूस को जी-7 से निकाला गया था

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जून। भारत दुनिया के सर्वाधिक समृद्ध देशों की जमात में शामिल हो गया है, लेकिन इसी दिन रूस अपने विदेशी ऋणों के बकाया ब्याज के भुगतानों में चूक कर गया। उल्लेखनीय है कि रूस को वर्ष 2014 में ही विश्व के सर्वाधिक समृद्ध देशों के गुट से निष्कासित कर दिया गया था।

यह दो घटनाएं विश्व की बदलती व्यवस्था को विरोधाभासी रूप से सामने लाती है। भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का कठोरता से पालन करने के बावजूद कई अन्य प्रतिस्पर्धियों पर भारी पड़ना शुरू हो गया है। कई वैश्विक व सामरिक घटनाक्रमों के बीच, सोमवार एक विलक्षण घटना का साक्षी बना।

बोल्शेविक क्रांति के बाद हुए प्रथत विश्व युद्ध के दौरान वर्ष 1918 के बाद से रूस ने अपने विदेशी ऋणों के भुगतान में पहली बार चूक की है।

रूस सौ मिलियन डॉलर ऋण के बकाया ब्याज का भुगतान करने में विफल हो गया, जो बाह्य भुगतान लेखा के आर्थिक दिवालिया होने का संकेत देता है। विदेशी ऋणों की अदायगी में अक्षमता की यह एक प्रतीकात्मक घटना है। रूस के केन्द्रीय बैंक के विदेशी विनिमय भण्डारोंमें 6 सौ बिलियन डॉलर से कम की रकम नहीं है, लेकिन उसका समूचा विदेशी मुद्रा भण्डार पश्चिमी देशों के बैंकां में और वैस्टर्न ट्रेज़री बॉण्ड्स के रूप में है, जिसे फ्रीज़ किया जा चुका है। परिणाम स्वरूप रूस की अपने ही फण्ड्स तक पहुंच नहीं है और ऋणों का ब्याज अदा ना करने को लकर उसे अपमानित होना पड़ा।

- **रूस के वित्त मंत्री ने आनन फानन में स्पष्टीकरण दिया कि भुगतान में कोई चूक नहीं हुई है, देश के पास पर्याप्त रिज़र्व है, हालांकि अभी वह फ्रीज़ है।**
- **सोमवार को जब जी-7 की बैठक चल रही थी और बैठक में यूक्रेन को रूस के खिलाफ जंग में पूर्ण समर्थन का एलान किया गया, तो तिलमिलाए रूस ने यूक्रेन पर और भी जबर्दस्त हमला बोला।**

रूस के वित्त मंत्री ने तुरन्त प्रभाव से स्पष्ट कियाकि देश के पास पर्याप्त मात्रा में विदेशी मुद्रा भण्डार है, लेकिन वह सारा फ्रीज़ पड़ा है।

जर्मनी के बावेरियन जंगलों में स्थित एक भव्य किले में सर्वाधिक अमीर देशों की हुई शिखर वार्ता में इसी दिन इन देशों द्वारा भारत का सम्मान किया गया।

जर्मनी में जी-7 देशों की मीटिंग में भारत को जलवायु संरक्षण व अक्षुण्ण विकास पर आयोजित एक कॉन्फ्रैंस में संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया था। रूस ने एक उपेक्षापूर्ण मूड में इस दिन यूक्रेन पर जबर्दस्त बमबारी की, जबकि इस दौरान जी-7 देशों की मीटिंग चल रही थी जिसमें रूस के साथ यूक्रेन के युद्ध प्रयासों को पूरा समर्थन व्यक्त किया जा रहा था।

रूस ने बदले की कार्रवाई में कई शहरों को तबाह कर दिया और यूक्रेन की राजधानी कीव के कई अर्पाटमैन्ट्स में मिसाइलें दागीं। बताया जाता है कि इसमें कई लोग मारे गए।

जी-7 देशों ने जब तक जरूरत पड़े तब तक के लिए यूक्रेन को अत्याधुनिक हथियारों की सप्लाई सहित सैन्य और वित्तीय सहयोग का वादा किया। अमेरिका ने यूक्रेन को 40 बिलियन डॉलर की सैन्य व वित्तीय मदद को मंजूरी दी है। इसने लाँग रेंज मिसाइल्स जैसे वैपन सिस्टम शामिल हैं।

महत्वपूर्ण यह है कि क्रीमिया पर आक्रमण के बाद रूस को वर्ष 2014 में जी-7 देशों के गुट से बाहर कर दिया गया था। उसके बाद से वह दुनिया के सबसे अमीर देशों के बीच तुच्द बना हुआ है। रूस ने हमेशा से यूरोप का एक आंतरिक हिस्सा बनने का प्रयत्न किया था और जी-7 से निष्कासन ने उसके विचार को तगड़ा झटका दिया।

रूस से तेल खरीदने को लेकर जी-7 देशों से भारत के मतभेदों के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी जी-7, शिखर सम्मलेन की मेजबानी कर रहे जर्मनी के आमंत्रण पर वहां के दौरे पर हैं। सात देश, नामतः अमेरिका, यू.के., फ्रांस, इटली, जर्मनी, कैनेडा और जापान विश्व के मामलों और सतत विकास को लेकर प्रति वर्ष चर्चा करते हैं।

स्मरणीय है कि भारत ने पिछले सप्ताह ही चीन की मेजबानी में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन में भाग लिया था। ब्रिक्स ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का एक कमजोर अनौपचारिक ग्रुप है। इसकी वार्ता वर्चुअल हुई, लेकिन स्पष्ट था कि आक्रमण मुद्दे पर भारत की राय रूस और चीन की भांति जी-7 देशों के जैसी नहीं थी। भारत ने एक सार्वभौमिक राष्ट्र पर सैन्य हमले का विरोध किया था।

इस तरह से भारत को प्रतिद्वंदी कूटनीतिक एवं सामरिक गुटबंदी के बीच एक महत्वपूर्ण संतुलित भूमिका निभानी है और साथ ही अपने मुख्य राष्ट्रीय हितों का भी ध्यान रखना है।

पिता की सुप्रीम कोर्ट से गुहार

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जून। कश्मीर के मोहम्मद लतीफ माग्रे ने नवम्बर 2021 में हैदरपुरा में पुलिस मुठभेड़ में मारे गए अपने बेटे के दफन शव को निकालने की मांग सोमवार को छोड़ दी।

उन्होंने 27 मई को एकल न्यायाधीश की बैंच द्वारा दी गई अनुमति पर रोक लगाने वाली जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय की एक डिवीज़न बैंच के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

- **कश्मीरी पिता ने बेटे का दफन शव निकाले जाने की मांग छोड़ी, पर अंतिम संस्कार की अनुमति मांगी।**

उनके वकील ने अदालत में कहा कि वह अब अपने बेटे का शव नहीं चाहते, जो उनकी पहली प्रार्थना थी, लेकिन उनकी दूसरी प्रार्थना के अनुसार उनके परिवार को अंतिम संस्कार करने की अनुमति दी जाए।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे.बी. परदीवाल की बैंच ने उनसे कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विपक्ष के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने नामांकन भरा

नामांकन पत्र भरते समय उनके एक तरफ एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार और दूसरी तरफ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी खड़े नज़र आए

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जून। विपक्ष की एकता के प्रदर्शन के अन्तर्गत, संयुक्त विपक्ष के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवन्त सिन्हा ने आज कई विपक्षी नेताओं की मौजूदगी में अपना नामांकन कर दिया। उनके एक तरफ नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार तो दूसरी बगल में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी खड़े हुये थे।

राहुल गांधी ने कहा, "हम समर्थन तो एक व्यक्ति का कर रहे हैं लेकिन वास्तविक लड़ाई दो विचारधाराओं के बीच है। एक विचारधारा आर.एस.एस. की है, जो शोध और नफरत की विचारधारा है, तथा दूसरी विपक्षी दलों की है जो एकजुट होकर खड़े हुये हैं तथा जो करूणा की विचारधारा है।

- **इस अवसर पर कई अन्य दलों के नेता भी मौजूद थे, पर दो प्रमुख विपक्षी दलों, आम आदमी पार्टी और झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अपने प्रतिनिधि नहीं भेजे। शिव सेना का प्रतिनिधि भी नहीं था क्योंकि पार्टी महाराष्ट्र में आंतरिक संकट से जूझ रही है।**
- **सिन्हा को अंतिम क्षणों में बड़ा सहारा मिला, जब सोमवार सुबह तेलंगाना राष्ट्र समिति के प्रमुख के. चन्द्रशेखर राव ने सिन्हा को समर्थन देन की घोषणा की, हालांकि उन्होंने पूर्व में प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया और कांग्रेस के साथ मंच साझा करने पर आपत्ति जताई थी।**

इसी भावना को अपने शब्दों में दोहराते हुये, सिन्हा ने इस राष्ट्रपति चुनाव को "निरंकुश सत्ता की विचारधारा और स्वतंत्रता की विचारधारा के बीच की लड़ाई" बताया।

जब 84-वर्षीय पूर्व केन्द्रीय मंत्री यशवन्त सिन्हा ने 14 विपक्षी दलों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चर्च

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो

नई दिल्ली, 27 जून। चर्चों और ईसाई पादरियों पर बढ़ रहे कथित हमलों के विरोध में दायर एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आदेश दिया कि उक्त याचिका को 11 जुलाई के लिए लिस्ट किया जाए। कोर्ट के ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद नियमित सुनवाई 11 जुलाई में ही शुरू होगी।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जे.बी. पार्दीवाला की एक बैंच सीनियर एडवोकेट कोलिन गोन्जाल्वेस द्वारा इसका जिक्र किए जाने पर सुनवाई को सहमत हो गई। उन्होंने शिकायत की कि देश में प्रत्येक माह औसतन 45 से 50 हिंसक हमले होते हैं। मई माह में ही इस

- **इन धार्मिक स्थलों पर आक्रमण से संबंधित याचिका को ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद पहले दिन सुनेगा सुप्रीम कोर्ट।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिंदे सेना को रिलीफ मिली सुप्रीम कोर्ट से

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र संकट पर अगली सुनवाई के लिए 11 जुलाई की तारीख दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जून। शिवसेना के विद्रोही विधायकों की याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र विधानसभा के उपसभापति नरहरि जिरवाल को नोटिस जारी किया, लेकिन साथ ही यहां के राजनीतिक संकट के किसी त्वरित समाधान से भी परहेज किया। कोर्ट ने केस की अगली सुनवाई 11 जुलाई को नियत की है, जब ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद अदालती कामकाज शुरू होगा।

जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जे.बी. पार्दीवाला ने विधानसभा उपाध्यक्ष से कहा कि कि उनके खिलाफ एक अविश्वास प्रस्ताव पहले से ही लम्बित है, अतः किसी भी प्रकार की जल्दबाजी अंवाछित परिणामों को जन्म दे सकती है। उपाध्यक्ष सोमवार सायं 5.30 बजे विद्रोही विधायकों के मामलों पर निर्णय देने वाले थे।

ज़िरवाल शरद पवार की नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के नेता हैं तथा उनके पास उसी समय से विधानसभा स्पीकर अधिकार हैं, जब कांग्रेस नेता नाना पटोले, जो एम.वी.ए. गठबन्ध के सत्ता में आने के बाद विधानसभा अध्यक्ष चुने गये थे, न 2020 में कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त कर दिये जाने के बाद, उन्होने स्पीकर पद से त्याग पत्र दे दिया था। इस प्रकार, कांग्रेस ने स्पीकर पद खाली कर दिया था। ज़िरवाल 4 फरवरी, 2021 से स्पीकर नामज़द कर दिये गये हैं।

- **जस्टिस सूर्यकांत एवं जे.बी. पारदीवाला की अवकाश बैंच ने शिव सेना के बागी विधायकों की याचिका पर डिप्टी स्पीकर नरहरि ज़िरवाल को नोटिस जारी किया।**
- **बैंच ने ज़िरवाल से कहा कि आपके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लम्बित है, इसलिए जल्दबाजी करने के अवांछित नतीजे हो सकते हैं।**
- **कोर्ट ने एकनाथ शिंदे और अन्य बागियों से कहा है कि वे 12 जुलाई को डिप्टी स्पीकर के नोटिस का जवाब दें, गौरतलब है कि डिप्टी स्पीकर ने बागियों को नोटिस जारी कर सोमवार शाम तक जवाब मांगा था।**
- **सभी पार्टियों से 5 दिन में जवाबी हलफनामा दायर करने के लिए कहा गया है और शिंदे कैम्प को इन जवाबी शपथ पत्रों पर जवाब देने के लिए तीन दिन का समय मिल गया है।**

एक अन्तरिम दिशा-निर्देश देते हुये, अदालत ने एकनाथ शिन्दे तथा अन्य विद्रोही विधायकों को 12 जुलाई शाम 5.30 बजे तक की मोहलत दे दी तथा कहा कि डिप्टी स्पीकर के डिसक्वालिफिकेशन नोटिसों पर रिट याचिका में अपने अधिकारों के पूर्वाग्रह बिना "अपना जवाब उस तिथि तक प्रस्तुत कर दें। ज्ञातव्य है कि इससे एक दिन पूर्व, अदालत इस मामले की सुनवाई कर लेगी। डिप्टी स्पीकर ने उन्हें अपना प्रस्तुत करने के लिये सोमवार सायं 5.30 तक का समय दिया था।

डिप्टी स्पीकर की ओर से प्रस्तुत हुये वरिष्ठ वकील राजीव धवन ने अदालत को आश्वस्त किया कि इस प्रकरण की सुनवाई की अगली तारीख तक, विद्रोही विधायकों की डिसक्वालिफिकेशन पर कोई कार्यवाही भी की जायेगी।

सभी पक्षों को कह दिया गया है कि वे पाँच दिन के अन्दर काउन्टर ऐफिडेविड प्रस्तुत कर दें तथा शिन्दे गुट के जवाबी शपथ पत्र के जवाब देने के लिये तीन दिन का समय दिया गया है।

शीर्ष अदालत उस अर्जेन्ट याचिका की सुनवाई कर रही थी, विद्रोही नेता एकनाथ राव शम्माजी शिन्दे ने डिप्टी स्पीकर के खिलाफ दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि उन्हें तथा 15 विद्रोही विधायकों को दलबदल-विरोधी कानून के तहत डिसक्वालिफाई करने के लिये शिवसेना द्वारा भेजे गये नोटिस पर कार्यवाही की जाये। अदालत के समक्ष एक और भी याचिका थी, जिसमें डिप्टी स्पीकर के उस निर्णय को चुनौती दी गई थी, जिसके तहत शिन्दे के स्थान पर, शिवसेना के ग्रुप लीडर के रूप में अजय चौधरी को मान्यता प्रदान कर दी हैं।

शिन्दे तथा 15 अन्य विद्रोहियों को डिसक्वालिफाई करने के लिये भेजे गये नोटिसों को चुनौती देने के लिये शिन्दे तथा विद्रोही विधायकों द्वारा दायर की गई याचिकाओं पर सेना के चीफ व्हिप सुनील प्रभु तथा विधायक दल के नेता अनिल चौधरी को भी नोटिस जारी कर दिये गये अदालत ने डिप्टी स्पीकर से यह भी कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अम्बानी को सिक्युरिटी क्यों'

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जून। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को केन्द्र सरकार की अपील पर चर्चा होगी, जो उद्योगपति मुकेश अम्बानी और उनके परिवार को ज़ैड प्लस सुरक्षा दिए जाने को चुनौती देने वाली याचिका के विरोध में दर्ज की गई है।

त्रिपुरा हाई कोर्अ ने एक जनहित याचिका स्वीकार की है जिनमें महाराष्ट्र सरकार द्वारा अम्बानी परिवार को सुरक्षा देने को चुनौती दी गई है। केन्द्र ने त्रिपुरा हाई कोर्ट द्वारा याचिका स्वीकार किए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है। और कहा कि एक परिवार को सुरक्षा देना जनहित का मुद्दा नहीं है।

- **त्रिपुरा हाई कोर्ट ने इस संबंध में दायर याचिका स्वीकार की, जिसे केन्द्र ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी।**

अपील में याचिकाकर्ता के स्थान को चुनौती दी गई है और कहा गया है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेसजनों ने 'अग्निपथ' योजना के विरोध में सत्याग्रह धरना-प्रदर्शन किया

सार्वजनिक स्थान के बजाय सार्वजनिक निर्माण विभाग के सरकारी डाक बंगले में कार्यक्रम कर नियमों की उड़ाई धज्जियां

मालपुरा शहर के सरकारी डाक बंगले में कांग्रेस के बैनर तले धरना प्रदर्शन का आयोजन हुआ।

- गुटबाजी के चलते भीड़ जुटाने में आया पसीना
- डिफेंन्स एकेडमियों के युवाओं की भीड़ जुटा किया सत्याग्रह

मालपुरा, (निसं)। केन्द्र सरकार द्वारा लागू की गई 'अग्निपथ' योजना को वापस लेने की मांग को लेकर सोमवार को मालपुरा में कांग्रेसजनों ने प्रदेश में कांग्रेस की सरकार होने का दबाव बना सार्वजनिक स्थान के बजाय सार्वजनिक निर्माण विभाग के सरकारी डाक बंगले में सत्याग्रह व धरना प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित कर नियम कायदों की खुले आम धज्जियां उड़ाई। नियम कायदों की खुलेआम अवहेलना के बावजूद ना तो पीडब्ल्यूडी और ना ही स्थानीय प्रशासन द्वारा उनके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही अमल में लाई गई।

नियमानुसार केन्द्र व राज्य सरकार के मंत्रियों, सांसद व विधायक सहित प्रशासनिक अधिकारियों के ठहरने एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों से अल्प समय में चर्चा व मीटिंग के लिए डाक बंगलों का निर्माण करवाया गया था। इनकी मॉनिटरिंग का जिम्मा पीडब्ल्यूडी को सौंपा गया। किसी भी पार्टी के बैनर तले आयोजित होने वाले धरना प्रदर्शन व सभा का आयोजन पब्लिक पैलेस पर ही किये जाने की प्रशासन द्वारा स्वीकृतियां जारी किये जाने का प्रावधान है लेकिन सोमवार को कांग्रेसजनों ने नियम कायदों को ताक में रख प्रदेश में कांग्रेस की सरकार होने का रौब दिखा सरकारी डाक बंगले में सभा व धरना प्रदर्शन सत्याग्रह का आयोजन किया।

मामले को लेकर पीडब्ल्यूडी एक्सईएन आरडी मीणा से जानकारी चाहने पर उन्होंने डाक बंगले में धरना प्रदर्शन कार्यक्रम के आयोजन को लेकर पूर्ण अनभिज्ञता जता जेईएन पर जिम्मेदारी थोप पल्ला झाड लिया तो एईएन अमन चौधरी ने बताया कि कांग्रेस संगठन की ओर से डाक बंगले में सत्याग्रह व धरना प्रदर्शन किये जाने को लेकर कोई प्रार्थना पत्र नहीं दिया गया है और ना ही डाक बंगले में पार्टी विशेष के बैनर तले इस प्रकार के आयोजनों की स्वीकृति दी जाती है। महज विकास कार्यों पर अधिकारियों के साथ चर्चा की डाक बंगले में स्वीकृति दिये जाने का प्रावधान है। कांग्रेसजनों द्वारा आज नियमों के विपरीत जो कार्यक्रम किया उसकी जांच करवाई जायेगी।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर आयोजित सत्याग्रह कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष को भीड़ जुटाने में पसीना आने के बावजूद भीड़ नहीं जुटी तो शहर में संचालित डिफेंन्स एकेडमियों के युवाओं को कार्यक्रम स्थल पर बुलाया गया। यहां तक की सभास्थल पर मौजूद कई युवाओं से कार्यक्रम में शामिल होने को लेकर बात की गई तो उन्होंने बताया कि कार्यक्रम व धरना प्रदर्शन किस बात को लेकर किया जा रहा है इससे हमे सरोकार नहीं हमे तो 300 रूपये देने की बात कहकर यहां बुलाया गया है। युवाओं की इन बातों से तथा कांग्रेसियों की कार्यक्रम से बनी दूरियों से संगठन में गुटबाजी तथा जमीनी स्तर पर मालपुरा ब्लॉक में कांग्रेस संगठन की कमजोरी खुलकर सामने आई है।

यू तो स्थानीय प्रशासन किसी भी धार्मिक व सामाजिक सहित राजनैतिक कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर धारा 144 की पालना सहित कई प्रकार के नियम कायदों का हवाला दिया जाता है लेकिन सोमवार को सरकारी डाक बंगले में हुई नियमों की अनदेखी को लेकर प्रशासन की ओर से चुप्पी सादे रहना शहर मे चर्चा का विषय बना रहा।

वन विभाग के कर्मचारियों पर हमला कर अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली छुड़ाई

हमले में गंभीर घायल होने पर वनकर्मी यादराम जाट को जयपुर रैफर किया

घायल वनरक्षक यादराम।

पावटा, (निसं)। वन विभाग कोटपुतली रेंज अन्तर्गत भूरी भडाज क्षेत्र में शनिवार की सुबह गस्त के दौरान अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को नाका वन विभाग कर्मचारियों द्वारा पकड़ने पर माफिया वन विभाग कर्मचारियों पर हमला कर ट्रैक्टर ट्रॉलियों को छुड़ा कर ले गए। घटना में घायल कर्मचारी यादराम जाट को पावटा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जयपुर रैफर कर दिया गया। वहीं वन विभाग अधिकारियों द्वारा वन विभाग की टीम से झड़प करने और अवैध खनन में शामिल होने पर तीन नामजद व अन्य अज्ञात लोगों के विरुद्ध वन अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

वन विभाग कोतपुतली रेंजर सीताराम ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर बुचारा नाका प्रभारी हरदान गुर्जर, वनरक्षक खेताराम, वनरक्षक यादराम जाट, वनरक्षक भीरु सिंह जाट, पंप चालक बिहारीलाल वृक्षारोपण स्थल भूरी भडाज पहुंचे। वहां राम सिंह गुर्जर निवासी मोलाहेडा, मनोज गुर्जर निवासी मोलाहेडा, रामस्वरूप गुर्जर निवासी ढाणी इबडा वाली द्वारिकपुरा ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में बजरी भर रहे थे। उक्त व्यक्तियों के ट्रैक्टरों को पकड़कर वन विभाग की चौकी पर ले जा रहे थे।

तभी उक्त लोगों ने फोन कर 15-20 लोगों को घटनास्थल पर बुला लिया तथा सभी एक राय होकर वन विभाग कर्मचारियों पर पथराव व उनके साथ मारपीट कर ट्रैक्टर मय ट्रॉलियों को जबरदस्ती छुड़ा ले गए। वहीं वनरक्षक यादराम जाट को घसीटते हुए ले गए व एकांत में ले जाकर मारपीट की जिसमें वनरक्षक यादराम जाट गंभीर रूप से घायल हो गया। वन विभाग ड्राइवर कर्मचारियों पर हमला होते देख उनको अकेला छोड कर गाडी भगा ले गया जो कि संदेह की श्रेणी में आता है। इस दौरान वनकर्मियों ने प्रागपुरा थाने में इसकी सूचना दे दी। पुलिस को मौके पर पहुंचते ही अवैध खननकर्ता भाग गए।

कृषि उपज मंडी सचिव एवं दलाल 10 हजार रु. रिश्वत लेते गिरफ्तार

आवास एवं अन्य ठिकानों की तलाशी जारी

सचिव अमर चंद सैनी

गार्ड किशोर कुमार

जयपुर, (निसं)। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर जयपुर ग्रामीण इकाई द्वारा कार्यवाही करते हुये अमर चंद सैनी सचिव, कृषि उपज मंडी समिति, चौमू जिला जयपुर एवं दलाल किशोर कुमार खटीक सुरक्षा गार्ड ठेकाकर्मी को परिवादी से 10 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि ए.सी.बी. की जयपुर ग्रामीण इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि कृषि उपज मंडी में दुकान के व्यवसाय में पार्टनर बनवाने की एवज में अमर चंद सैनी, सचिव, कृषि उपज मंडी समिति, चौमू जिला जयपुर द्वारा अपने दलाल किशोर कुमार खटीक सुरक्षा गार्ड ठेकाकर्मी के माध्यम से 20 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है।

जिस पर एसीबी जयपुर ग्रामीण इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आहद खान के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर पुलिस निरीक्षक नीरज भारद्वाज एवं उनकी टीम द्वारा ट्रेप कार्यवाही करते हुये दलाल किशोर कुमार खटीक पुत्र नंदराम निवासी वार्ड नं. 39, तहसील व थाना चौमू, जिला जयपुर हाल सुरक्षा गार्ड ठेकाकर्मी कृषि उपज मंडी समिति, चौमू जिला जयपुर को अमर चंद सैनी पुत्र भैरूराम सैनी निवासी ग्राम थोई, श्रीमाधोपुर, जिला सीकर हाल निवासी म.नं. 69, कृष्णानगर, सिरसी रोड, जयपुर हाल सचिव, कृषि उपज मंडी समिति, चौमू जिला जयपुर के लिये परिवादी से 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि आरोपियों द्वारा परिवादी से पूर्व में ही 32 हजार रुपये रिश्वत के रूप में वसूल कर चुके थे। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एम.एन. के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

कांस्टेबल 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार, आवास व अन्य ठिकानों की तलाश जारी

जयपुर, (निसं)। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर जयपुर नगर द्वितीय इकाई द्वारा सोमवार को अलवर में कार्यवाही करते हुये सहीराम कांस्टेबल पुलिस थाना कोतवाली, अलवर शहर को परिवादी से 25 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि ए.सी.बी. की जयपुर नगर द्वितीय इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसके पुत्रों के विरूद्ध पुलिस थाना कोतवाली अलवर में दर्ज एस.टी.एस.सी. के प्रकरण जिसकी जांच उप अधीक्षक पुलिस एस.टी./एस.सी. सैल अलवर कर रहे हैं, में एफआर लगवाने की एवज में सहीराम कांस्टेबल पुलिस थाना कोतवाली अलवर शहर द्वारा 50 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है।

कांस्टेबल सहीराम

जिस पर एसीबी जयपुर नगर द्वितीय के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजपाल गोदारा के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर उप अधीक्षक पुलिस अभिषेक पारीक एवं उनकी टीम द्वारा अलवर में ट्रेप कार्यवाही करते हुये सहीराम पुत्र शिब्बासिंह निवासी डीग जिला भरतपुर हाल कांस्टेबल पुलिस थाना कोतवाली अलवर शहर को परिवादी से 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एम.एन. के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

बरसात नहीं होने से किसान चिंतित

निवाई, (निसं)। तेज धूप एवं उमस से लोग परेशान होने के साथ ही बरसात नहीं होने से किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीरें दिखने लगी हैं। बरसात नहीं होने से किसानों को खेतों में बोई हुई फसलें नष्ट होने का भय बना हुआ है। किसान नेता मांगीलाल गुर्जर ने बताया कि एक सप्ताह पहले हुई बरसात को देखकर किसानों ने खेतों में ज्वार, बाजरा, उडद, मूंगफली, तिल, अरहड व मूंग सहित कई प्रकार की फसलें की बुआई कर दी। लेकिन बरसात नहीं होने से बोई हुई फसलों को नष्ट होने की संभावना होने से किसान चिंतित हैं। बरसात के लिए गांवों में किसानों द्वारा कई धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है।

सम में रिसोर्ट मालिकों को नहीं मिलता नहरी पानी

जैसलमेर, (निसं)। पर्यटन मानचित्र में विश्व प्रसिद्ध सम के धोरों में पेयजल की सरकारी व्यवस्था नहीं है। सेंड ड्यूंस में स्थित सैंकड़ों रिसोर्ट मालिकों को महंगे भाव से टैंकर का पानी मंगवाना पड़ता है। ज्ञात रहे कि जलदाय विभाग द्वारा सम गांव के ग्रामीणों को नहर का मीठा पानी उपलब्ध करवाया जा रहा है। फिर भी सेंड ड्यूंस एरिया पानी के लिए तरस रहा है।

जैसलमेर का सम सेंड ड्यूंस इलाका सैलानियों की सबसे पसंदीदा जगहों में से एक है। हर साल 5 लाख से भी ज्यादा देसी-विदेशी सैलानी इन रेतीले टीलों का रुख करते हैं। जलदाय विभाग के एसई दिनेश नागोरी ने बताया कि सम गांव में पानी के लिए पाइप लाइन है। लेकिन रिसोर्ट की तरफ नहीं है। उन्होंने बताया कि हमने रिसोर्ट संचालकों को कहा है कि वे डिमांड हमें दे ताकि हम प्लान बनाकर सरकार को भेज सकें। प्लान मंजूर हो जाता है तो इनको इंदिरा गांधी नहर योजना से जोड़ देंगे ताकि इनको मीठा पानी मिल जायेगा।

कांग्रेस के धरने में अग्निपथ स्कीम के फायदे बताने पहुंचे युवक की पिटाई

झुंझुनूं, (निसं)। जिला मुख्यालय पर कांग्रेस के प्रदर्शनों में इनदिनों सबकुछ अच्छा नहीं हो रहा। सोमवार को प्रदेशव्यापी आव्हान पर झुंझुनूं कलेक्ट्रेट पर अग्निपथ स्कीम के खिलाफ चल रहे धरने में लात-मुक्के चल गए। दरअसल कांग्रेस का धरना चल रहा था। उसी दरमियान वहां पर लोहसना के जगदीप सिंह आया और उसने भी स्कीम को लेकर अपनी बात रखने की परमिशन मांगी। कांग्रेस नेताओं ने उसे परमिशन देकर माइक संभलवा दिया। लेकिन युवक ने अग्निपथ स्कीम के फायदे बताने शुरू कर दिए। तो कांग्रेस नेता सकपका गए। इसके बाद जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री खलील बुडाना ने पहले तो युवक से माइक छीना। इसके बाद उसकी धुनाई कर दी।

युवक ने भागकर अपनी जान बचाई। आपको बता दें कि इससे पहले भी ईडी की कार्रवाई के खिलाफ जब कांग्रेस नेताओं ने कलेक्ट्रेट पर धरना दिया था। तो एक मंदबुद्धि युवक ने आकर भाजपा जिंदाबाद के नारे लगा दिए थे। जिसे भी नवलगढ़ से कांग्रेस पार्षद लोकेश जांगिड़ ने जमकर पीटा था। इस युवक ने पत्रकारों को बताया कि वह अग्निपथ योजना से खासा प्रभावित है और वह इसका समर्थन करता है। उसने धरने पर अग्निपथ लिखा देखा तो इसके फायदे में बोलना चाहता था। मैंने वहां पूछा कि मैं बोलना चाहता हूं और जैसे ही वह माइक से अग्निपथ योजना के फायदे के बारे में बोलने लगा पीछे से उसके साथ बैठे लोग आग बबूला हो गए और उसके साथ हाथापाई की। इसलिए भाग गया। इधर, खलील बुडाना ने बताया कि बच्चे के साथ किसी तरीके की मारपीट नहीं की गई। उसे पूरा मामला समझ में नहीं आया। इसलिए वह माइक पर ऐसा बोल गया। हमारा बच्चा हमारा ही है। उसे समझ में नहीं आया इसलिए यह सारा मामला हो गया। लेकिन कोई मारपीट जैसी बात नहीं हुई। फिर हमने बच्चे को समझाइश कर के वहां से दूर भेज दिया था। पर इस घटना ने राजनैतिक रंग ले लिया है और भाजपा नेता हमलावर हो गए है। भाजपा नेता व भाजपा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य विश्वंभर पूनियां ने कहा कि झुंझुनूं में जिस तरह की घटना हुई वह कांग्रेस के बौखलाहट का कारण है। उस युवा ने सच बात बताई और सच बात कांग्रेस को पचती नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कोई भी अच्छी स्कीम कांग्रेस को अच्छी नहीं लगती है और आज भी वही हुआ। जो युवा ने सच कहा। वो धरने के दौरान कांग्रेसियों बर्दाश्त नहीं हुआ और युवा के साथ जिस तरह की मारपीट की गई है। वह निंदनीय है।

भाजपा जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया ने कहा कि झुंझुनूं एक ऐसा जिला है। जिसने देश में सर्वाधिक फौजी और शहीद दिए हैं। यहां के युवाओं में राष्ट्रवाद की भावना कूट-कूट कर भरी हुई है। अग्निपथ योजना यहां का युवा अच्छी तरह से जानता है कि वह किस तरह से राष्ट्र को सशक्त बनाएगी। यहां का युवा नहीं चाहता कि कोई भी इस योजना का विरोध करें। जब भी ऐसी योजनाओं का विरोध किया जाता है कि तो युवाओं के मन में पीड़ा होती है। आज भी युवा इस योजना के बारे में बताने की कोशिश की। आज जिस तरह की घटना हुई वह निंदनीय है। कांग्रेस पार्टी ने हमेशा फितरत रही है कि लोकतंत्र में आवाज को कैसे दबाया जाए। आज जो कृत्य कांग्रेसियों द्वारा किया गया है। वह घोर निंदनीय है।

बस से धुआं निकलता देख शीशे तोड़कर कूदे लोग, सात घायल

अलवर, (निसं)। अलवर-बहरोड सडक मार्ग पर बर्डोद में रेवाडी मोड पर सवारियों से भरी हुई चलती लोक परिवहन बस के ऑयल बॉक्स की सील टूटने से अचानक धुआं निकलने लगा। बस में बैठी सवारियों में आग लगने की अफवाह से अफरा-तफरी मच गई। सवारियों ने बस के शीशे तोड़कर बाहर कूदना शुरू कर दिया। भगदड में शीशे चुभने और बस से नीचे गिरने पर 7 सवारियां चोटिल हो गई। जिन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। लोक परिवहन बस सवारियां लेकर अलवर से बहरोड आ रही थी। जैसे ही गांव बर्डोद में रेवाडी मोड के पास पहुंची, तो भीषण गर्मी के चलते ऑयल की सील टूट गई और ऑयल साइलेंसर में पहुंच गया। गर्म साइलेंसर में ऑयल जलने लगा ओर धुंआ निकलने लगा। सवारियों में बस में आग लगने की अफवाह फैल गई। सवारियों ने आंखों में जलन और सांस लेने में आ रही तकलीफ के बीच अपनी जान बचाने के लिए बस के शीशे तोडे और बाहर कूदना शुरू कर दिया।

इसी दौरान हरियाणा के रेवाडी जिले के गांव सालावास निवासी हंसराज खिडकी से नीचे उतरते समय फिसल गया और जमीन पर आ गिरा। यहां खिडकी से तोडे गए सीसे जमीन पर गिरे हुए थे। सिर के बल नीचे गिरा हंसराज के सिर में शीशे चुभ गए। जिससे वह अपने लहूलुहान हो गया। जिसकी हालत गंभीर बनी हुई है। सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार करवाने के बाद उसे रेफर कर दिया गया। बस में चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए दौडे और सभी सवारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। राहुल निवासी बेरोज, हंसराज निवासी सालावास (रेवाडी), धर्मपाल निवासी ढेलावास, पतराम निवासी जिंदोली, सुनीता निवासी तातारपुर ओर भानु घायल व चोटिल हो गए।

बिजली तार की चपेट में आने से पैंथर शावक की मौत

मृत पड़ा पैंथर शावक एवं मौके पर उपस्थित ग्रामीण।

मासलपुर, (निसं)। मासलपुर के निकटवर्ती खन्नपुरा गांव में बीती रात के बाद खेतों से गुजर रहे एक पैंथर शावक की खेत में टूटे पड़े बिजली तार की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना का पता सोमवार प्रातः लगा जब ग्रामीण अपने खेतों की ओर गए। ग्रामीणों ने विद्युत निगम को सूचना देकर बिजली सप्लाई बंद कराई एवं पैंथर के शावक की मौत की सूचना वन विभाग को दी। सूचना पाकर वन विभाग में खलबली सी मच गई।

क्षेत्रीय वन अधिकारी रमेश चंद मीणा के निर्देशन में वनरक्षक जीतेंद्र सिंह, दर्शन सिंह, मनोज परमार, महेश बैरवा, वृक्ष पालक नवाब खॉ, पुरुषोत्तम गोयल सहित पुलिस कार्मिक पवन कुमार मौके पर पहुंचे एवं पैंथर शावक के शव को पोस्टमार्टम के लिए करौली ले जाया गया। क्षेत्रीय वन अधिकारी रमेश चंद्र मीणा ने बताया कि उच्च अधिकारियों की मौजूदगी में चिकित्सकों की टीम से पोस्टमार्टम के बाद शावक के शव का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

अभी तो यह ट्रेलर है, राजस्थान को कई कार्यों की सौगात मिलेगी: गडकरी

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया जालोर में रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण की परियोजना का शिलान्यास

जालोर शहर के एक निजी होटल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधि व कई लोग मौजूद रहे।

- गडकरी ने श्रीगंगानगर जिले में 753 करोड़ रुपए की सड़क परियोजनाओं का किया शिलान्यास

जालोर, (कासं)। भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी एवं राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जालोर में 102/00 (एन.एच. 325) पर 4-लेन रेलवे ओवर ब्रिज के निर्माण के लिए 92 करोड़ की लागत से एक कि.मी. लम्बाई की परियोजना का शिलान्यास किया।

जालोर शहर के एक निजी होटल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केन्द्रीय सड़क, परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि केन्द्र सरकार ने राजस्थान में सड़कों का जाल बिछाने का कार्य किया गया है। सड़क मार्ग के रूप में राजस्थान अग्रणी है। जालोर में आरओबी बनने से लोगों को राहत मिलेगी। वहीं उन्होंने कहा कि यह तो अभी ट्रेलर है पूरी फिल्म तो अभी बाकी है। राजस्थान के लिए कई कार्यों की सौगात दी जायेगी। भाजपा सरकार राजस्थान में राजमार्ग बनाने के लिए कटिबद्ध है।

सांसद देवजी पटेल ने भी वीसी के माध्यम से दिल्ली से सम्बोधित करते हुए कहा कि जालोर से आहोर जाने वाले मार्ग पर रेलवे क्रॉसिंग के चलते कई घंटे लोगों को इंतजार करना पड़ता था। जिसको लेकर मेरे द्वारा लगातार केन्द्र सरकार को उक्त समस्या से अवगत करने पर आरओबी के लिए बजट आवंटित होने के साथ कार्य प्रारम्भ हो रहा है। कार्य पूर्ण होने के बाद जालोर के लोगो को राहत मिलेगी। वीसी कार्यक्रम में मौजूद जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि जालोर के लिए यह बहुत बड़ा कार्य है। जालोर के पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल ने कहा कि यह आरओबी केन्द्र व राज्य सरकार के संयुक्त बजट से बन रहा है। जिससे आमजन को राहत मिलेगी। भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष मंजू सोलंकी ने कहा कि आरओबी बनना हमारे लिए खुशी की बात है। इस दौरान जिला कलेक्टर निशांत जैन, जिला प्रमुख राजेश कुमार, जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग, नगर परिषद सभापति गोविन्द टांक, पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल सहित अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

श्रीगंगानगर संवाददाता के अनुसार :- केन्द्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लगभग 753 करोड़ रूपए की सड़क परियोजनाओं का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया। वर्चुअल शिलान्यास कार्यक्रम में जिला कलेक्टर रूक्मणि रियार सिहाग गंगानगर से वीसी के माध्यम से शामिल हुई।

सूरतगढ़ में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम के दौरान सांसद व पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री निहालचंद ने कहा कि अब जल्द ही इन परियोजनाओं का निर्माण कार्य शुरू होकर क्षेत्र के नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि गंगानगर जिले में 753 करोड़ की परियोजना का शिलान्यास होने पर क्षेत्रावासियों के लिये एक बड़ी सौगात है। सांसद निहालचंद ने बताया कि इन परियोजनाओं के अंतर्गत श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ में 26.61 करोड़ रूपए की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग-62 (पुराना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-15) के बीकानेर-सूरतगढ़ खंड में आर.ई. दीवार के साथ दोनों तरफ के एप्रोच सड़क सहित इंदिरा सर्किल पर 1.066 किलोमीटर की लम्बाई के 4 लेन फ्लाईओवर का निर्माण किया जाएगा और 56.20 करोड़ रूपए की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 62 (पुराना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-15) के सूरतगढ़-श्रीगंगानगर खंड के किमी 173.0 से 250/900 तक लगभग 77.90 किमी. मार्ग को सुदृढ़ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एक अन्य परियोजना में श्रीगंगानगर से रायसिंहनगर तक एनएच-911 पर लगभग 670.38 करोड़ रूपए की लागत से पेव शोल्डर के साथ दो लेन राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण किया जाएगा, जिसकी लंबाई 102.076 किलोमीटर रहेगी। कार्यक्रम में लोकसभा सांसद निहालचंद, सूरतगढ़ विधायक रामप्रताप कासनिया, पूर्व विधायक राजेन्द्र भादू, अशोक नागपाल, एडीएम सूरतगढ़ अरविन्द जाखड़, आत्माराम तरड़ सहित जनप्रतिनिधि, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक तथा एनएचआई के इंजिनियर व पीडब्ल्यूडी के अधीशाषी अभियंता पवन कुमार यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जयपुर। जयपुर सांसद रामचरण बोहरा ने राष्ट्रीय राजमार्ग जयपुर-अजमेर मार्ग पर स्वीकृत फ्लाईओवर के शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान कहा कि मेरे संसदीय क्षेत्र में भांकरोटा चौराहा, हीरापुरा नरसिंहपुरा एवं देहमी कलॉ स्थानों पर यातायात का अधिक दबाव रहने के कारण घटने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जनता की लम्बे समय से मांग की जा रही पैरवी आज पूरी हुई। सांसद बोहरा ने कार्यक्रम के दौरान जयपुर संसदीय क्षेत्र रिंग रोड़ के उत्तरी कोरीडोर के निर्माण कार्य करवाये जाने की मांग रखने जाने पर केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने यह कहते हुए आश्वासन देते हुए कहा कि जयपुर-दिल्ली की यात्रा जिस दिन 2 घंटे में करके जयपुर आउंगा उस दिन इस कोरीडोर का भी शिलान्यास करूंगा। सासंद बोहरा ने कहा कि मंत्री जी के इस आश्वासन से यह स्पष्ट हो गया कि जयपुर-दिल्ली एक्सप्रेस हाइवे का कार्य भी जल्द ही पूरा होगा, जिससे दिल्ली की यात्रा सुगम हो जायेगी। कार्यक्रम के दौरान अजमेर सासंद सहित विधायक गण, स्थानीय जनता उपस्थित रही।

सार-समाचार

तहसीलदार को ज्ञापन दिया

बिसाऊ (निसं)। बिसाऊ के युवा पार्षद बसंत कुमार से चेजारा ने तहसीलदार सोनू आर्य के नाम आज एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में 6 सूत्री मांगों को रखा गया जिसमें वर्षों से मातृ शिशु कल्याण केंद्र बंद पड़ा है उसको पुणे चालू करवाने के लिए कस्बे में राजकीय जटिया अस्पताल में रिक्त पदों पर डॉक्टरों की नियुक्ति करवाने के लिए तथा अस्पताल में 108 एंबुलेंस सेवा चालू करवाई जाए वह है रोडवेज बसों का कस्बे के अंदर बना बस स्टैंड पर से संचालन किया जाए कस्बे की काफी समय से युवा वर्गों की मांग है कि उनके लिए खेल मैदान की व्यवस्था की जाए एवं जमीन आवंटित की राय यही नहीं पार्षद ने ज्ञापन में लिखा है कि 2017 .2 दिसंबर को गोचर भूमि विवाद मामले में दोषियों को बचाया गया और निर्दोष लोगों को फसाया गया था जिसकी पुणे निष्पक्ष जांच करवाई जाए इस अवसर पर बसंत कुमार के द्वारा पार्षद संजोग मिश्रा युसूफ अली नदीम पंकज जांगिड़ मुस्लिम विनोद शौकत अली परमेश्वर जितेंद्र हसन अली अब्दुल रहमान दीनदयाल फिरोज एवं रामस्वरूप उपस्थित रहे तथा मातृ शिशु कल्याण केंद्र के सामने विधायक का विरोध प्रदर्शन किया गया तथा विधायक के विरुद्ध नारेबाजी की गई इस अवसर पर बसंत कुमार ने कहा कि हमारा विधायक जनता की सुख सुविधाओं के लिए कोई भी ध्यान नहीं दे रहा है जिससे कस्बे की जनता छोटी-छोटी बीमारियों को लेकर के चूरू झुंझुनूं या सीकर की ओर जाना पड़ता है जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है आता है जल्द से जल्द अस्पताल में रिक्त पदों की भर्ती एवं 108 एंबुलेंस का पुणे चालू करवाने की कृपा करें।

अग्निपथ योजना के विरोध में सत्याग्रह

रतनगढ़ (निसं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर पीसीसी के निर्देशानुसार केंद्र सरकार की अग्नीपथ योजना के विरोध स्वरूप शांतिपूर्ण सत्याग्रह स्थानीय गढ़ परिसर के आगे जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान अध्यक्ष व प्रत्याशी भंवरलाल पुजारी के नेतृत्व में सैकडों की संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने शांतिपूर्वक सत्याग्रह किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष पुजारी ने कहा कि केंद्र सरकार की अग्नीपथ योजना युवाओं पर कुठाराघात है जिसे देश की जनता स्वीकार नहीं करेगी! देश का युवा अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहा है केंद्र सरकार ने निजी करण के मामले में सेना को भी नहीं बख्शा है। कार्यक्रम को प्रभारी मनीष मक्कासर, वरिष्ठ नेता पूसाराम गोदारा, पीसीसी सदस्य रमेश चंद्र इन्दोरिया, चयनिका उनियाल, नरेश गोदारा ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर प्रधान प्रतिनिधि इन्द्राज खीचड, जिला महामंत्री रामनारायण व्यास, सरपंच संघ अध्यक्ष उमेद सिंह राठौड, ब्लॉक व देहात अध्यक्ष अरविंद चाकलान, भानीराम मेघवाल, पालिका उपाध्यक्ष शाहरुख खान, राजलदेसर पालिका उपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश घिंटाला, गिरधारीलाल बांगड़वा, शशि कुमार गौड़, सुशील गौड़, राजेन्द्र बबेरवाल, राजेश गहलोत, अनिल सियोता जीतू, पुरुषोत्तम इन्दोरिया सहित उपस्थित रहे।

शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

रतनगढ़ (निसं)। भारत सरकार के निपुण भारत मिशन के अंतर्गत कक्षा एक से पांच के विद्यार्थियों के लिए बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान आधारित शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ सोमवार को राजकीय बाजोरिया स्कूल में हुआ। सीबीईओ भंवरलाल डूडी के मुख्य आतिथ्य में हुए कार्यक्रम में शिविर प्रभारी एसीबीईओ विक्रमसिंह चौहान व संस्था प्रधान विशाल गुप्ता मंचस्थ अतिथि थे। मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन से शुरू हुए कार्यक्रम को वक्ताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि शिविर का उद्देश्य कक्षा एक से पांच में तीन से 9 वर्ष तक की आयु वर्ग के अध्ययनरत विद्यार्थियों को पढ़ने व लिखने में निपुण करना है। शिविर के माध्यम से संभागियों को दक्ष प्रशिक्षकों के द्वारा ऐसे विद्यार्थियों को साक्षर करने के साथ-साथ पढ़ने, लिखने व अंकों का ज्ञान करवाने के गुर सिखाए जाएंगे। दो सत्रों में चलने वाले छह दिवसीय गैर आवासीय शिविर में निलेश इंदौरिया, अंजू चौहान, ओमप्रकाश महर्षि, खींवाराम चौधरी, रणजीत नायक, मनीराम प्रशिक्षण देंगे तथा इस कार्य में महावीर सहारण, सुरेंद्र सिगड़, ओमप्रकाश महर्षि सहयोग दे रहे हैं। आरपी सुभाष सोनगरा के संचालन में हुए कार्यक्रम में 150 में से 147 संभागी उपस्थित रहे।

जमीनी विवाद को लेकर मारपीट, पांच घायल

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं के मलसीसर थानान्तर्गत रामपुरा गांव में जमीन विवाद को लेकर परिवार के बीच ही झगड़ा हो गया। जिसमें पांच जने घायल हो गए। घायलों में एक महिला भी शामिल है। जानकारी के मुताबिक एक ही परिवार के बाबूलाल और सांवरमल के बीच काफी समय से जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा है। इसे लेकर पहले भी बाबूलाल व उसके परिवार पर सांवरमल व उसके परिवार ने हमला किया और मारपीट की। दो बाद बाबूलाल की ओर से थाने में रिपोर्ट दी गई। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। सोमवार सुबह एक बार फिर सांवरमल और उसके परिवार के सदस्यों ने बाबूलाल के घर में घुसकर लाठियों से हमला बोल दिया। जिसमें बाबूलाल, उसका भाई दूलीचंद, दूलीचंद की पत्नी रूकमणी, दूलीचंद के दो बेटे आनंद व हरिंद्र के चोटें आई है। जिन्हें मलसीसर से झुंझुनूं रैफर किया गया है।

लोडिंग टैंपों का टायर फटने से तीन घायल

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं के ढिगाल टोल बूथ के समीप हुए हादसे में तीन जनें घायल हो गया। दरअसल हादसा टैंपों का टायर फटने से हो गया। जानकारी के मुताबिक सोनासर निवासी देवकरण पुत्र पितराम मीणा, उम्मेद पुत्र देवकरण तथा टैंपों चालक कालेरा की ढाणी निवासी प्रताप सीकर से टैंपों में गाय लेकर झुंझुनूं के भूरासर गांव आ रहे थे। इसी दरमियान ढिगाल टोल नाके के पास टैंपों का टायर फट गया। जिससे अनियंत्रित होकर टैंपों सड़क किनारे पेड से टकराया। मौके पर मौजूद लोगों ने तीनों घायलों को बीडीके अस्पताल पहुंचाया। जहां तीनों की हालत खतरे से बाहर है। हादसे में टैंपों में लाई जा रही गाय भी घायल हो गई।

चूरू में अग्निपथ के खिलाफ सत्याग्रह में सफाई कार्मिकों को बुलाने के बाद भी भीड़ नहीं जुटी

चूरू, (कासं.)। चूरू में कांग्रेस की ओर से आज अग्निपथ के खिलाफ किए गए सत्याग्रह में आयोजक भीड़ जुटाने में नाकाम रहे।

मिली जानकारी के अनुसार चूरू कलेक्ट्रेट के आगे किए गए सत्याग्रह में नगर परिषद में कार्यरत सफाई निरीक्षक, जमादार और सफाई कार्मिकों को लाने के बाद भी भीड़ नहीं जुट सकी। इससे यहां मौजूद पूर्व विधायक हाजी मकबूल मंडेलिया काफी असंतुष्ट नजर आए। इस दौरान उनका जी घबराने लगा तो वे अपनी गाड़ी में बैठ गए। उसके बाद भाषण देने के लिए आए और भाषण देकर वापस लौट गए। उनके साथ ही कांग्रेस के कई अन्य कार्यकर्ता भी चले गए। हाजी मकबूल मंडेलिया ने केंद्र सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि अग्निपथ योजना सेना की गरिमा और युवाओं के अरमानों को खत्म कर रही है।

चूरू में कांग्रेस की ओर से अग्निपथ के खिलाफ किए गए सत्याग्रह में आयोजकों द्वारा भीड़ जुटाने के लिए नगर परिषद में कार्यरत सफाई निरीक्षक, जमादार और सफाई कार्मिकों को आने के लिए मजबूर किया गया।

यहां कांग्रेस नेता मुस्ताक खान ने कहा कि अग्निवीर योजना को वापस करवाने के लिए सभी कांग्रेसजनों को क्रांतिवीर बनना पड़ेगा। यहां राजस्थान प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं चूरू के प्रभारी अशोक कुलडिया, पूर्व सभापति गोविंद महनसरिया, वरिष्ठ नेता मोहम्मद हुसैन निर्वाण, बीसूका के पूर्व जिला उपाध्यक्ष आशा राम सैनी, किसान नेता आदु राम न्योल, राजीव बहड़, रामनिवास सहारण, रमजान खान, नारायण बालान, अबरार खान, धर्मेन्द्र बुडानिया, रामप्रताप कांटिवाल, सोहनलाल मेघवाल, सुनिल मेघवाल, भंवरसिंह झारिया, शिवकुमार शर्मा सहित नगरपरिषद के कई कर्मचारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम का संचालन लिलाधर चुलैट एवं सद्दाम हुसैन ने किया। यहां चर्चा रही कि सत्याग्रह में भीड़ जुटाने का जिम्मा जिसके पास था, वे अपने काम में पूरी तरह से असफल रहे हैं। लोगों ने कहा कि कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद नगरपरिषद क्षेत्र में पानी, बिजली, सड़क जैसी समस्याओं का भी समाधान नहीं होता है। इस कारण चूरू की जनता का मंडेलिया पर से विश्वास उठ गया है।

सत्याग्रह कार्यक्रम से जाते समय एक कांग्रेसी ने नाराज होकर कहा बताया कि पता चल जाएगा कि भीड़ कौन लाया था। उनकी नाराजगी किससे और क्यों थी, इस बात का अभी पता नहीं चल पाया है। कुल मिलाकर यहां आज सत्याग्रह में कांग्रेस की एकता की पोल खुलकर सामने आ गई। यहां मण्डेलिया के नेतृत्व में सत्याग्रह होने के कारण कांग्रेस के कई नेताओं ने इससे दूरी बना ली। कांग्रेस का आम कार्यकर्त्ता परेशान हो चुका है। यहां पार्षदों तक की कोई सुनवाई नहीं होती बताई। यही कारण रहा कि आज भीड़ नहीं जुट सकी।

यहां भाजपा नेताओं ने कहा है कि कांग्रेस सत्ता के मद में नगर परिषद कर्मचारियों को जबरदस्ती अग्निवीर योजना के विरोध के नाम पर धरने पर बैठने को मजबूर कर रही है। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष बसन्त शर्मा, नगर परिषद में नेता प्रतिपक्ष विमला गढ़वाल, पार्षद मेघराज भार्गव, असलम डायर आदि ने नगर परिषद कर्मचारियों को अग्निवीर योजना के विरोध में धरने पर बैठने को मजबूर करने की निंदा की है।

युवक ट्रेन से कटा

चिड़ावा (निसं)। ट्रेन के नीचे आने से एक युवक की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार जोधा का बास में गुजर रही रेलवे लाइन पर लुहारू की तरफ से आ रही जयपुर जा रही एक्सप्रेस ट्रेन के सामने आने से युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद करीब 20 मिनट तक ट्रेन रूकी रही। इस संबंध में मृतक के भाई ने मर्ग दी। जानकारी के अनुसार बृजलालपुरा निवासी संजय मेघवाल अचानक ट्रेन के आगे आ गया। हादसे में संजय की मौके पर ही मौत हो गई। जिसकी सूचना पाकर ग्रामीण एकत्र हो गए और पुलिस को सूचना देकर मौके पर बुलाया। हैड कांस्टेबल ओमप्रकाश, कांस्टेबल महेंद्र और चालक जोगेंद्र बराला ने ग्रामीणों के सहयोग से क्षत - विक्षत लाश व शरीर के टुकड़ों इस एकत्र कर राजकीय अस्पताल पहुंचाया। मृतक के भाई मुंशी ने मृग दी। अस्पताल मोर्चरी में डॉ. नरेंद्र तेतरवाल ने पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

लावारिस अजय कुमार की इलाज के दौरान मौत

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के मंडावा नगरपालिका के पार्षद जाबिद मौम ने थाने में मृग रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि कस्बा मंडावा में लावारिश हालात में रहने वाले अजय कुमार की अचानक तबियत खराब होने पर दौराने इलाज के मौत हो गई है।

लोहिया महाविद्यालय में निःशुल्क मॉक इंटरव्यू का आयोजन

चूरू, (का. सं.)। राजकीय लोहिया महाविद्यालय में राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सह आचार्य पद के लिए चयनित अभ्यर्थियों के लिए मॉक इंटरव्यू का आयोजन किया जाएगा। प्राचार्य दिलीप पूनिया ने बताया कि यह आयोजन महाविद्यालय की नवाचार एवं कौशल विकास प्रकोष्ठ के तत्वावधान में रखा गया है। इस साक्षात्कार में सबसे पहले बुधवार को कॉमर्स विषय के इंटरव्यू के लिए चयनित अभ्यार्थियों को आमंत्रित किया गया है एवं उसके बाद अन्य विषयों के भी मॉक इंटरव्यू करवाये जाएंगे, जो पूर्णतः निशुल्क होंगे। कार्यक्रम के आयोजक डॉ जेबी खान ने बताया कि इस साक्षात्कार में राजस्थान लोक सेवा आयोग में साक्षात्कार के समय किन किन बातों का ध्यान रखना है एवं विषय से संबंधित किस प्रकार के प्रश्न पूछे जाते हैं, उनके बारे में बताया जाएगा तथा जिस प्रकार आयोग में साक्षात्कार होता है उसी विधि का पालन किया जाएगा। डॉ महेंद्र खारड़िया ने बताया कि इस आयोजन की सफलता के लिए महाविद्यालय स्तर पर आयोजन समिति का गठन कर दिया गया है।

पानी निकासी की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरना शुरू

सादुलपुर, (निसं)। नगरपालिका क्षेत्र राजगढ की ऐतिहासिक स्थल महाराणा प्रताप चौक वार्ड 03 व 04 में वर्षो से बरसाती पानी की निकासी की समस्या को लेकर सोमवार को नगरपालिका राजगढ कार्यालय के समक्ष अनिश्चिकालीन धरना शुरू कर पानी निकासी की मांग की है।

वार्ड 04 के पार्षद प्रतिनिधि ज्ञान प्रकाश सैनी, उम्मेद मालू, वार्ड 03 में पार्षद महेन्द्र पडिहार, श्रवण कोचर, पार्षद रामबाबू, पार्षद भागीरथ रैगर, पार्षद रामबाबू, पार्षद महेन्द्र दिनोदिया, पार्षद प्रतिनिधि विक्रम सांसी, उम्मेद कोचर, पार्षद प्रतिनिधि जीतू चांवरिया, प्रमोद दुग्गड, अजीत कोठारी, रजनीश सोनी, राकेश सैनी (ठेकेदार), संदीप घोडावत आदि नें धरने पर बैठकर विरोध प्रदर्शन करते हुए बताया कि महाराणा प्रताप चौक सादुलपुर में अरसों दराज से बरसाती पानी की निकासी की समस्या चली आ रही है। जबकि वार्डवासियों, जनप्रतिनिधियों द्वारा नगरपालिका प्रशासन से बरसाती पानी निकासी हेतु योजनाबद्ध तरीके से निकासी हेतु बार-बार लिखित एवं मौखिक रूप से अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन अभी भी उक्त निकासी योजना जस की तस है तथा मामूली बरसात से ही महाराणा प्रताप चौक का पानी भराव हो जाता है। जिसके कारण आवागमन भी बाधित हो जाता है। साथ ही बताया कि बताया कि नगरपालिका प्रशासन द्वारा बार-बार उक्त बरसाती पानी के निकास हेतु आश्वासन दिया गया, लेकिन आज तक पानी निकासी बाबत कोई भी योजना क्रियान्वित नहीं की गई है।

उद्घोषणा
न्यायालय अपर जिला न्यायाधीश महोदय, क्रम सं.-1, राजगढ़ जिला चूरू
प्रा.पत्र संख्या 06 सन् 2022

राजेन्द्रसिंह आयु 52 साल पुत्र दानसिंह जाति राजपूत निवासी वार्ड सं. 06, हाल वार्ड सं. 07, ओसवाल पंचायत के पास, कस्बा राजगढ़ तहसील राजगढ़ जिला चूरू -प्रार्थी

बनाम
सर्वसाधारण
अप्रार्थी

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र पेश किया है कि मृतक दानसिंह पुत्र टोरसिंह जाति राजपूत निवासी वार्ड सं. 06, हाल वार्ड सं. 07, शिवजी मंदिर के पास कस्बा राजगढ़ तहसील राजगढ़ जिला चूरू ने अपनी सम्पत्ति जो कस्बा राजगढ़ जिला चूरू के वार्ड सं. 06 हाल वार्ड सं. 07, मोहल्ला फतेहपुरिया में स्थित है में अपने हिस्सा की वसीयत दिनांक 20.11.2020 को प्रार्थी के पक्ष में पंजीबद्ध करवाई है। जिस वसीयत के आधार पर दानसिंह की मृत्यू होने के बाद प्रार्थी ने इस न्यायालय में लेटर्स ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र प्राप्त करने प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 278 उतराधिकार अधिनियम के तहत पेश किया है।

उक्त प्रार्थना पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति, संस्था को कोई आपत्ति हो या कोई इस संपति में अपना हित रखता हो तो इस न्यायालय में दिनांक 18.07.2022 को उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। अन्यथा आपके खिलाफ एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए प्रार्थना पत्र का निस्तारण कर दिया जावेगा।

आज दिनांक 18.05.2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

मोहर अपर जिला न्यायाधीश क्र.संख्या-1 राजगढ़ (चूरू)

आज्ञा से न्यायाधीश अपर जिला न्यायाधीश क्रम सं.-1 राजगढ़ (चूरू)

अग्निपथ योजना के खिलाफ विधायक डॉ. पूनिया के नेतृत्व में सत्याग्रह हुआ

सादुलपुर, (निसं)। सेना में भर्ती के लिए लाई गई अग्निपथ योजना के खिलाफ लोकप्रिय विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया के नेतृत्व में मिनीसचिवालय के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया गया। साथ ही योजना को वापस लेने की माँग की गई। इस दौरान विधायक निवास से एसडीएम मुख्यालय तक हजारों कांग्रेसी कार्यकर्ताओं द्वारा शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया गया। सत्याग्रह के दौरान विधायक डॉ कृष्णा पूनिया ने कहा कि अग्निपथ योजना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है और युवाओं में इसके प्रति असंतोष है। विधायक डॉ पूनियां नें कम समय की भर्ती नीति को 'युवा विरोधी और राष्ट्र विरोधी' बताते हुए कहा कि इसे बिना चर्चा के लागू किया गया है। साथ ही विधायक डॉ. कृष्णा पुनिया ने मोदी सरकार के खिलाफ आक्रोश प्रकट करते हुए कहा कि युवाओं को प्रतिवर्ष दो करोड़ नौकरियां देने का झांसा देकर भाजपा सरकार केंद्र की सत्ता तक पहुंची है। मगर सत्ता पर आसीन होने के बाद युवाओं से किया गया वादा भूल चुकी है। उन्होंने ने कहा कि सेना में नियमित भर्तियां हो रही थी, जिसे भी बंद कर दिया गया। अब पूर्णकालिक के बजाय महज 4 साल की नौकरी के लिए 'अग्निपथ योजना' थोप दी गई है। जो देश की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाली यह योजना किसी भी सूरत में बर्दाश्त करने लायक नहीं है और हम सेना भर्ति में अग्निपथ योजना का पुरजोर विरोध करेंगे। इस दौरान नगरपालिका चेयरमैन रजिया गहलोत, नगर अध्यक्ष पवन सैनी, एडवोकेट सुरेश पूनियां, सीताराम प्रजापत, प्रवीण पूनिया, नरेंद्र पूनिया सुलखनिया, लाल मो. भियानी, हैदर अली पार्षद, लसेड़ी सरपंच संदीप पूनिया, शिक्षाविद्ध शिशुपाल पूनिया, सूरतसिंह रेंजर, प्रेम सरपंच, रामकुमार मुहाल, सूबेदार राजपाल पूनिया, जयसिंह सरपंच गुलपुरा, पूर्व सरपंच अशोक पूनिया, नाहर सिंह मेघवाल, सुरेंद्र महंत, सरपंच नीमां मानसिंह रेबारी, संजीव पूनिया, सरपंच कालानाताल चरणसिंह काजला, देवेंद्र ढाका, सरपंच प्रतिनिधि धर्मवीर कटारिया, महेंद्र गेट, रोहताश कड़वासरा, रामसिंह कस्वां भीमसना आदि सहित हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और युवा उपस्थित थे।

किसानों का मिनी सचिवालय के समक्ष धरना रहा जारी

सादुलपुर, (निसं)। नहर, बीमा क्लेम की माँग व सेनाभर्ति अग्निपथ योजना के खिलाफ किसानों का धरना छटे दिन चौनपुरा छोटा के हनुमान शर्मा की अध्यक्षता में जारी रहा। वहीं नौजवान सभा के नरेंद्र पूनियां ने कहा कि किसानों और नोजवानों की माँगों को लेकर किसान छः दिन से धरने पर बैठा है। मगर आज तक किसानों का बीमा क्लेम राज्य व केंद्र की सरकार नें रोक रखा है। उन्होंने कहा कि राज्य व केंद्र की सरकार में जिन जनप्रतिनिधियों कोचुन कर भेजा गया है, उनकी जवाबदेही बनती है कि वो बताये की बीमा क्लेम क्यों रुका हुआ है? उन्होंने कहा कि जब सावणी की फसल खराब हुई तब दोनों ही सरकारों के जनप्रतिनिधियों नें किसानों के खेत में जा कर आये थे, फसल खराबे का जायजा लिया था, लेकिन जब बीमा राशी देने का समय आया तब इन्होंने चुप्पी साध रखी है। किसानों का कहना है कि प्रशासन के अनुसार बीमा कंपनी ने क्रॉप कटिंग की जाँच के लिए पहले जिले में आपत्ति लगाई। जिला प्रशासन ने बिना आपत्ति की जाँच कर राज्य सरकार को आपत्ति भेज दी, राज्य ने केंद्र को भेज दी, केंद्र ने इस बात पर सहमति दे दी कि बीमा कंपनी मौषम को आधार मान कर बीमा क्लेम दे दे। लेकिन अब जिला प्रशासन कह रहा कि हम 15 दिन में तक क्रॉप कटिंग रिपोर्ट की जांच करवाएंगे।

पालिकाध्यक्ष का सम्मान किया

गुढागौडजी, (निसं)। कस्बे में सोमवार को सागर विला में गुढ़ागौडजी नगरपालिका के नवनिर्वाचित पालिकाध्यक्ष रामावतार दायमा का सम्मान किया गया। कार्यक्रम संयोजक रामस्वरूप सांखला ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता बाबूलाल दायमा ने की। मुख्य अतिथि फूलचंद खींची थे। कार्यक्रम में पालिकाध्यक्ष रामावतार दायमा को साफा पहनाकर व राम दरबार का चित्र भेंट कर सम्मानित किया गया। पालिकाध्यक्ष रामवतार दायमा ने कहा कि मैंने अपने सरंपच कार्यकाल में निष्पक्ष कार्य किए हैं। लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट के प्रभारी दिनेश सांखला व ट्रस्ट उपाध्यक्ष हरिराम सैन द्वारा पालिकाध्यक्ष का सम्मान किया गया।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल नवलगढ़ (झुन्झुनूं)

क्रमांकः-न.पा.न./भूमि/PSKS/2022-23/ दिनांकः-27.06.2022

आपत्तिय-विज्ञप्ति

यत् निम्न आवेदक द्वारा उनके सामने अंकित पट्टे बाबत इस कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किये है। वांछित स्वीकृति जारी करने से पूर्व इस संबंध में आपत्तिय-विज्ञप्ति का एतद् द्वारा प्रकाशन किया जाकर विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तिथि से 07 दिवस में आपत्तियां मय सबूत आमंत्रित की जाती है। बाद मियाद प्राप्त आपत्तिया पर कोई विचार नहीं होगाः-

क्र. सं.	नाम आवेदक/आवेदिका	ख.नं.	क्षेत्रफल (वर्गगज)	वांछित स्वीकृतियों का विवरण	सम्पति का विवरण जिसके संबंध में स्वीकृति चाही जा रही है मय वार्ड
1	सुनिल कुमार महला/करणीराम, दोरासर, झुंझुनूं	259	166.66 (आवासीय)	कृषि भूमि नियमन	शिवराज विहार कॉलोनी, नवलगढ़
2	धर्मवीर सिंह ढ़ाका/देवकरण सिंह ढ़ाका, ढ़ाका का बास, भगेरा, नवलगढ़	140/254	250.00 (आवासीय)	कृषि भूमि नियमन	नवलगढ़
3	पवन कुमार, मनीष कुमार/अशोक कुमार, झाबरडा /भोलाराम, सीता देवी चोबदार/अशोक कुमार जरिये मुख्त्यार मनीष कुमार, राजकुमार/प्रभुदयाल, हेमंत कुमार/खेमचन्द, सतवीर सिंह/रामेश्वरलाल, शेर मोहम्मद/महबूब वार्ड नं. 6, गणेशपुरा, नवलगढ़	280, 281 282, 283 525/282	2.59 है.	कृषि भूमि नियमन	दुर्जनपुरा
4	धर्मेन्द्र कुमार/रामोतार सिंह, बीदासर, लक्ष्मणगढ़	319	200.00 (आवासीय)	कृषि भूमि नियमन	दुर्जनपुरा
5	भंवरी देवी/बजरंगलाल सैनी, नवलगढ़	1878/1611	140.15 (आवासीय)	कृषि भूमि नियमन	नवलगढ़
6	राकेश पत्नी रामावतार सिंह, दुर्जनपुरा, नवलगढ़		128.00 (वाणिज्यिक)	नामान्तरण	घूमचक्कर से कृषि उपज मंडी ऐरिया
7	मधु सिंह/कर्मवरी सिंह माननगर, झुंझुनूं		1422.00	भू-उपयोग परिवर्तन	होटल ग्रान्ड हवेली के पास, नवलगढ़
8	बुधप्रकाश/भगवानाराम, भागोती देवी/बुधप्रकाश, वार्ड नं. 18 नायका का मोहल्ला, नवलगढ़	-	230.22 (आवासीय)	स्टेट ग्रान्ट	वार्ड नं. 18 नायका का मोहल्ला, नवलगढ़
9	रूकमणी देवी/जगन राम सैनी, वार्ड नं. 05 रावता की ढ़ाणी, नवलगढ़	-	293.01 (आवासीय)	स्टेट ग्रान्ट	वार्ड नं. 05 रावता की ढ़ाणी, नवलग
10	बजरंगलाल सैनी/बिडदीचन्द, भंवरी देवी/बजरंगलाल सैनी, डेरावाली ढ़ाणी, वार्ड नं. 4, नवलगढ़	-	331.00 (आवासीय)	स्टेट ग्रान्ट एक्ट	डेरावाली ढ़ाणी, वार्ड नं. 4, नवलगढ़
11	कन्हैयालाल/हरीराम, वार्ड नं. 17 वाल्मिकी बस्ती, नवलगढ़	2001/1845	265.45 (आवासीय)	69''क' पट्टा	वार्ड नं. 17 वाल्मिकी बस्ती, नवलगढ़

(अनिल कुमार)
अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय विकास अधिकारी, पंचायत समिति, पूगल(बीकानेर)

क्रमांक:-पंसपू/निविदा/2022/526-30 दिनांक:-23/06/22

अल्पकालीन निविदा सूचना

संख्या2022-23/ZBK2223A0010

नवसृजित पंचायत समिति पूगल में पन्द्रवां वित आयोग पंचायत समिति मद में स्वीकृत कार्य नवसृजित पंचायत समिति पूगल कार्यालय के अग्र भाग में बरामदा, बिजली, पानी एवं सैनेट्री फिटिंग कार्य पंचायत समिति पूगल कार्य लागत राशि 48.40लाख रूपये पंचायत समिति पूगल के सम्पादन हेतु केन्द्रीय/राज्य स्तरीय विभागों में पंजीकृत सक्षम फर्मो/व्यक्तियों/संवेदकों से ऑनलाईन पोर्टलhttps//eproc.rajasthan.gov.inके माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य का विस्तृत विवरण विभागीय वेबसाईट http//sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा आवेदन डाउनलोड/अपलोड करने की दिनांक एवं समय	:	24.06.2022 से 04.07.2022 दोपहर12.00बजे तक
ऑनलाईन निविदा जमा/अपलोड कराने की अंतिम दिनांक एवं समय	:	04.07.2022को दोपहर12.00बजे तक
निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि प्रोसेसिंग शुल्क भौतिक रूप से जमा कराने की दिनांक	:	04.07.2022को दोपहर 4.00बजे तक
निविदा खोलने की दिनांक	:	05.07.2022को दोपहर12.00बजे से लगातार

UBN is ZBK2223WSOB00010

विकास अधिकारी
पंचायत समिति पूगल

खड़े ट्रेलर से टकराई रोडवेज बस, दुर्घटना में एक दर्जन यात्री घायल

बांदनवाड़ा, (निसं)। कस्बे के अजमेर रोड पर कुमावत पेट्रोल पंप के सामने सड़क पर खड़े दर्जनों ट्रेलर्स में से एक से प्रातः 8 बजे भीलवाड़ा से अजमेर जा रही एक रोडवेज टकरा गई। दुर्घटना में करीब एक दर्जन यात्री घायल हो गए। टक्कर की तेज आवाज से दुर्घटना स्थल पर भीड़ जमा हो गई जिनकी मदद से 108 तथा एनएचआई की एंबुलेंस में घायलों को चिकित्सा हेतु स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। मौके पर स्थानीय पुलिस चौकी से पहुंचे पुलिस कर्मियों राजेश कुमार तथा महेश ने यातायात सुचारू करवाया।

यात्रियों में से एक ने बताया कि बस बांदनवाड़ा स्टेंड से सवारियां लेकर कुमावत पेट्रोल पंप के नजदीक पहुंची ही थी कि बस सड़क पर खड़े एक ट्रेलर से टकरा गई जिससे बस में सवार तकरीबन एक दर्जन यात्री घायल हो गए। ट्रेलर से टकराने की वजह से बस के आगे के दोनों शीशे टूट गए, जिसके चलते सवार यात्री चोटिल हो गए। दुर्घटना स्थल पर थोड़ी ही देर में भीड़ जमा हो गई तथा सूचना पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने भीड़ को हटा कर यातायात सुचारू करवाया तथा उपस्थित लोगों की मदद से घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां उपस्थित चिकित्साकर्मियों ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया तथा गंभीर घायलों को जेएलएन चिकित्सालय अजमेर रैफर किया गया। दुर्घटना में धनराज पुत्र धूकल देवनगर पुष्कर, अजय पुत्र गणपत निवासी करकेडी, मंजू शर्मा पुत्री राधेश्याम निवासी भीलवाड़ा, बाबूलाल पुत्र प्रज्ञा निवासी भीलवाड़ा, विजयनगर, रामदेव पुत्र हीरा निवासी भिनाय, माया पत्नी हंसराज निवासी अजमेर, रोजमेरी पुत्री नितिन निवासी अजमेर राजेश पुत्र हस्तीमल निवासी भीलवाड़ा, दिलखुश पुत्र गोपाल, हवुदी देवी पत्नी मदनलाल निवासी भिनाय तथा राधेश्याम पुत्र मदनलाल निवासी भीलवाड़ा घायल हो गए जिनमें से गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अजमेर रैफर कर दिया गया।

बांदनवाड़ा : अजमेर रोड पर हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

- सड़क पर खड़े दर्जनों ट्रेलर की कतारें हादसे का कारण बनी
- गंभीर घायलों को उपचार हेतु अजमेर चिकित्सालय रैफर किया
- भीलवाड़ा से अजमेर जा रही थी रोडवेज बस

जानकारी पर मसूदा विधायक राकेश पारीक, भिनाय थानाधिकारी महावीर प्रसाद मीणा घायलों की हालात जानने हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। दिन में चौबीसों घंटों सड़क पर कई ट्रेलर बेरोकटोक खड़े रहते हैं जिनकी वजह से यातायात प्रभावित होता है साथ ही एनएचएआई द्वारा टांटोटी सड़क तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जाने हेतु कोई अंडरपास नहीं दिए जाने के कारण कई वाहन रॉग साईड से आते जाते रहते है। इसके चलते दुर्घटनाओं की संभावना सतत बनी रहती है।

बदमाशों ने कार पर पत्थर मारने के बाद किए फायर

भुसावर : बदमाशों द्वारा पत्थर मारने से कार क्षतिग्रस्त हो गई।

भुसावर, (निसं)। नेशनल हाईवे संख्या 21 जयपुर-भरतपुर पर स्थित थाना भुसावर के गांव बाछरेन पर अज्ञात बदमाशों ने एक कार को निशाना बनाया और पत्थर मारते हुए फायर किए। जिससे पीड़ित की गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और कार सवार मां बेटे बाल-बाल बच गए। जिसकी तुरंत पीड़ित ने भुसावर थाना पुलिस को सूचना दी।

- कार सवार मां बेटे बाल-बाल बच गए, गाड़ी क्षतिग्रस्त हुई

पीड़ित कस्बा भुसावर निवासी लवकेश सैनी पुत्र महेंद्र सिंह सैनी ने बताया कि वह अपनी मां के साथ स्वयं की कार में सवार होकर दौसा जिले के अंतर्गत आने वाले कस्बा महवा की तरफ जा रहा था। जहां रास्ते में नेशनल हाईवे 21 पर गांव बाछरेन पुल के पास कुछ बदमाशों ने जान से मारने की नियत से पीछे से पत्थर कार पर फेंके। जिससे कार का शीशा बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर टूट गया तथा इसके बाद उन्होंने तीन राउंड फायर भी किए जो गाड़ी के पास होकर निकल गए। आवाज सुनकर पहुंचे लोगों को देख अज्ञात बदमाश मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी भुसावर थाना पुलिस को दी गई। जिसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई। ज्ञात है कि भुसावर थाना क्षेत्र में लगातार फायरिंग की घटनाएं बढ़ रही हैं जिस पर अंकुश लगाने में पुलिस नाकामयाब दिख रही है।

बैंक कर्मचारी ने फांसी लगाई

अजमेर, (कासं)। रामगंज थाना क्षेत्र के अजयनगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी एक बैंक कर्मचारी ने बीती रात फांसी का फंदा लगाकर जीवनलीला समाप्त कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जेएलएन अस्पताल पहुंचाया। वहीं बैंक कर्मचारी के कमरे में मिले सुसाइड नोट में उसने अपनी ही बैंक के शाखा प्रबंधक और अधीन अन्य अधिकारियों पर धमकाने का आरोप लगाया। पुलिस ने सुसाइड नोट कब्जे में लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

रामगंज थाने के एएसआई देवाराम ने बताया कि मृतक बैंक कर्मचारी अजय नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी हिमांशु निरंकारी पुत्र भगवानदास निरंकारी है। मृतक किशनगढ़ स्थित बैंक शाखा में कार्यरत था। मृतक के दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। वर्ष 2021 में 24 जून को स्पाइन रोग से बीमार ग्रसित होने के कारण समय-समय पर अपना मेडिकल भी इंडियन ओवरसीज बैंक किशनगढ़ शाखा और हेड ऑफिस को भिजवा रहा था लेकिन

- मौके पर मिले सुसाइड नोट में बैंक अधिकारियों पर धमकाने का आरोप लगाया
- पुलिस ने सुसाइड नोट कब्जे में लेकर जांच शुरू की, शव परिजनों को सौंपा

बीती देर रात बैंक कर्मचारी हिमांशु ने खुद को फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के पास मिले सुसाइड नोट में बैंक कर्मचारी ने लिखा है कि 2 दिन पहले बैंक के कुछ अधिकारी उसके पास आए थे और उसे धमकाया था कि यदि कल से तुम बैंक ड्यूटी पर नहीं आए तो तुम्हारी नौकरी चली जाएगी, लेकिन वह इस हालत में नहीं था कि बैंक भी सके और चिकित्सकों ने उन्हें संपूर्ण बैडरेस्ट करने की सलाह दे रखी थी। इसके चलते डिप्रेशन में आ गए और खुद को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। एएसआई देवाराम ने बताया कि मृतक के शव को कब्जे में लेकर जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के मुर्दाघर पहुंचाया है और परिजन के बयान भी दर्ज करके शव का पोस्टमार्टम करावा शव परिजन को दे दिया।

एएसआई देवाराम ने बताया कि मृतक के सुसाइड नोट में मृतक हिमांशु निरंकारी ने लिखा कि मेरी मौत का जिम्मेदार चीफ रीजनल ऑफिसर है, जो मुझे नौकरी से निकालने की धमकी दे रहा था। मैं मेरे परिवार से माफी मांगता हूं। मैं आपको कभी अहसास नहीं दिला पाया कि कितना लायक हूं। मेरी अस्थियों को किसी वॉटरफॉल में विसर्जित किया जाए, जिससे मरने के बाद मुझे भी शांति मिले जो जीते हुए नहीं मिली सकी।

उन्होंने कहा कि मृतक के पास से मिले सुसाइड नोट के अनुसार जांच की जाएगी और जांच सही पाए जाने पर आरोपी बैंक कर्मचारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

प्लास्टिक की बाल्टी में गांजा ले जाते तस्कर गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की मंगरोप थाना पुलिस ने गश्त के दौरान प्लास्टिक की बाल्टी में 7 किलो गांजा ले जाते तस्कर को गिरफ्तार किया है।

डीएसपी सदर रामचंद्र चौधरी ने बताया कि मादक पदार्थ के तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगरोप थाना प्रभारी मोतीलाल ने गश्त के दौरान नेशनल हाइवे पर गुवारडी सरहद में स्थित देवनारायण मंदिर से पहले नाले के पास संदेह के आधार पर एक युवक को रोका तो वह जवाब नहीं दे पाया। पुलिस को उसके पास प्लास्टिक की बाल्टी मिली जिसमें 7 किलो गांजा मिला जिसे जब्त कर श्रीराम नगर मंडपिया स्टेशन भगवती लाल उर्फ भागुता पुत्र मांगीलाल प्रजापत को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है और अग्रिम जांच हमीरगढ़ थाना प्रभारी पुष्पा कासोटिया को सौंपी गई है।

बदमाशों ने बाप-बेटे पर जानलेवा हमला कर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया

कोलसिया, (निसं)। झुंझुनूं के कोलसिया में एक बाप-बेटे पर बदमाशों ने ना केवल लाठियों-सरियों से हमला किया बल्कि गाड़ी चढ़ाकर मारने का भी प्रयास किया। घटना के दो दिन बाद अब वारदात का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। जिसमें करीब 10 मिनट तक बदमाशों ने आधी रात को जमकर उत्पात मचाया और गाड़ी दौड़ाने के अलावा मारपीट तक की।

जानकारी के मुताबिक कोलसिया में परविंद्र ने गांव के बस स्टैंड से आगे मैन बाजार में चौधरी जनरल स्टोर एवं बुक डिपो के नाम से दुकान कर रखी है। 24 जून की रात परविंद्र व उसका 14 वर्षीय बेटा यश दुकान पर साफ-सफाई कर रहे थे। अचानक एक थार जीप आई। थार जीप में सवार युवकों ने ताबड़तोड़

- मारपीट में बेटे के दोनों हाथ फ्रेक्चर हो गए और पिता के सिर में गंभीर चोटें आई
- घटना के दो दिन बाद अब वारदात का सीसीटीवी वीडियो सामने आया

दोनों पर हमला बोल दिया। इस बारे में पीड़ित के भाई अमरचंद दूत ने मुकदमा दर्ज कराया है। रिपोर्ट के अनुसार बताया गया है। उसके भाई की परविन्द्र दूत व परविंद्र के बेटे पर कोलसिया का सुरेंद्र, पुरोहितों का बास का संजय संजू कुलहरि, धर्मेंद्र, कोलसिया का प्रवीण तथा 15-20 अन्य युवकों ने सरिए, लाठियों व धारदार हथियार लेकर दुकान में घुसकर जानलेवा हमला कर दिया। इसके बाद आरोपी परविंद्र के बेटे को दुकान के पीछे मारपीट करते रहे। यश के परिवार के लोगों ने रिश्तेदारों को इस बारे में सूचना दी। जिस पर लोग एकत्रित हो गए। आरोपी परविंद्र को मरा हुआ समझकर भाग निकले। आरोपियों ने परविंद्र के गले से सोने की चेन तोड़ ली व गल्ले से 17 हजार रुपए निकाल लिए। आरोपी परविंद्र व यश के साथ लाठी व सरियों से मारते हुए दुकान से बाहर ले गए। इसके बाद आरोपियों ने जान से मारने की नियत से गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया।

इस मारपीट में यश के दोनों हाथ फ्रेक्चर हो गए। परविंद्र के सिर में गंभीर चोटे आई है। यश जख्मी हालत में वहां से भाग कर पास में स्थित अपने घर पहुंचा आरोपियों ने यश को मारने के लिए गाड़ी दौड़ाई, लेकिन यश ने मकान का गेट बंद कर लिया। इसके बाद आरोपियों ने उसे घर के बाहर तरफ गाड़ी दौड़ाई व पत्थर फेंके। इसके बाद घायलों को प्राइवेट गाड़ी से जिला अस्पताल ने जाया गया। जहां से सीकर रैफर कर दिया गया। देर रात्रि में दुबारा आरोपियों ने परविंद्र के घर के पास गाड़ी में सवार होकर आए और कहा कि हमें पांच लाख रूपए दे देना, वरना अबकी बार पूरे परिवार को जान से खत्म कर देंगे। मारपीट की यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित के भाई ने इस रिकार्डिंग का उल्लेख रिपोर्ट में भी किया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल दोनों घायल बाप-बेटे का इलाज सीकर में चल रहा है।

20 लाख के जेवर व नकदी चोरी

मसूदा, (निसं)। मसूदा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत शेरगढ़ के ग्राम किशनपुरा में रविवार को मकान की छत पर परिवार सोता रहा और चोरों ने धावा बोलते हुए करीब 20 लाख रुपए के जेवरात सहित नगदी चुरा ले गए।

किशनपुरा निवासी प्रकाश पुत्र छगनलाल जाट ने मसूदा थाने में रिपोर्ट देते हुए बताया कि रविवार देर रात पूरा परिवार छत के ऊपर सोया हुआ था देर रात विद्युत सप्लाई बंद होने पर चोरों ने मकान के ताले तोड़ते हुए मकान के अंदर घुसकर 13 किलो चांदी के आभूषण, तीन मंगलसूत्र, सोने के 3 रखड़ी, 2 जोड़ी मूरकिया, 2 जोड़ी अंगूठी, दो मादलिया, 2 जोड़ी लूंग, 2 जोड़ी झुमरिया, 2 नथ, पांच मादलिया, 2 जोड़ी टॉप्स सहित घर में रखे 157000 रुपए घर चोरों ने हाथ साफ किया। चोरी की वारदात की सुबह उठने पर दरवाजे के ताले टूटे देख परिवार जनों को जगाया।

जिला अस्पताल में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

हिण्डौन सिटी, (कासं)। राजकीय जिला अस्पताल में रूम नंबर 6 के पास लगे पैनल बोर्ड में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई, जिससे अस्पताल में भगदड़ मच गई। इमरजेंसी यूनिट के चिकित्साकर्मी की तत्परता से पैनल बोर्ड में लगी आग पर अग्निशमन सिलेंडर से काबू पाया गया।

- इमरजेंसी यूनिट के चिकित्साकर्मी की तत्परता से अग्निशमन सिलेंडर से आग पर काबू पाया गया

सोमवार को दोपहर 2 बजे शॉर्ट सर्किट से राजकीय जिला अस्पताल में इमरजेंसी यूनिट के पास रूम नंबर 6 की दीवार पर लगे विद्युत पैनल बोर्ड में आग लग गई।

विद्युत स्पार्किंग से पटाखे के धमाके की आवाज और चिंगारी के साथ निकल रही धुएं की वजह से अस्पताल में उपचार कराने आई मरीजों में अफरा तफरी मच गई। चिनगारियां और धमाकों की आवाज सुनकर लोगों में भगदड़ मच गई और लोग जान बचाकर अस्पताल से बाहर निकल गए। अचानक आग लगने से अस्पताल परिसर में चर्चा का विषय बन गया। पैनल बोर्ड में आग लगने की जानकारी मिलने से इमरजेंसी यूनिट के डॉ. दीपक मीणा, नर्सिंग ऑफिसर राजकुमार आदि चिकित्सा कर्मियों ने विद्युत लाइनमैन को बुलाकर आग पर काबू पाने से राहत की सांस ली, हालांकि घटना से कोई बड़ी जन हानि नहीं हुई।

आग से मवेशी एवं लाखों का चारा जला

विजयनगर, (निसं)। समीप गांव भगवानपुरा में सोमवार दोपहर अज्ञात कारणों से बाड़े में लगी आग से लाखों रुपए का चारा एवं छोटे-बड़े 6 मवेशी जलकर राख हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी लादूराम जाट पुत्र प्रताप निवासी भगवानपुरा ने पुलिस थाने में इस आशय की रिपोर्ट दर्ज करवाई कि सोमवार दोपहर उसके बारे में अज्ञात कारणों से लगी आग से 450 क्विंटल चारा एवं दो बड़े मवेशी एवं चार छोटे मवेशी जल गए। बाड़े में लगी आग समीप बने उसके भाई रामधन जाट के बाडे आग के फेलने से चारा एवं छप्पर जलकर राख हो गए। पुलिस को इत्तला मिलने पर एएसआई घनश्याम मीणा मय जाब्ते के मौके पर पहुंचे एवं अग्निशमन को इत्तला देते हुए ग्रामीणों की सहायता से आग बुझाने के लिए प्रयास में जुटे रहे।

अब तक कपड़ा मिला ना मिली राशि, यूनिफॉर्म की कब होगी सिलाई

बीकानेर, (कासं)। राज्य के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को मिलने वाली निःशुल्क यूनिफॉर्म अधरझूल में लटक रही है। राज्य सरकार ने 2021 में घोषणा तो कर दी लेकिन सरकारी स्कूलों तक अब तक ना तो कपड़ा पहुंचा ना ही सिलाई का बजट। ऐसे में जुलाई से शुरू हो रहे नए सत्र में बच्चे बिना यूनिफॉर्म के स्कूल आयेंगे।

हालांकि इस दौरान सरकार ने यूनिफॉर्म का कलर जरूर बदला है। छह सौ रुपये में दो यूनिफॉर्म देनी है, जिसमें से 425 रुपए कपड़े के और 175 रुपए सिलाई के हैं। कपड़े की आपूर्ति को लेकर टेंडर प्रक्रिया चल रही है, जिसके बाद विद्यालयों में कपड़ा आयेगा और सिलाई की राशि विद्यालय प्रबंधन समिति के एसएमसी के खातों में जमा होगी।

मुख्यमंत्री ने वर्ष 2021 के बजट भाषण में पहली से आठवीं कक्षा तक के बच्चों को निशुल्क यूनिफॉर्म उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। राज्य में 64 हजार 479 सरकारी स्कूलों में पहली से आठवीं तक के 70,77,465 बच्चे जिसमें 34, 81,646 छात्र व 35, 95,819 छात्राओं को सिली हुई यूनिफॉर्म निशुल्क देने का निर्णय किया। इसको लेकर टेंडर प्रक्रिया शुरू की लेकिन छह सौ रुपये में दो यूनिफॉर्म देने से राशि कम होने पर विभिन्न फर्म ने मना कर दिया।

इसके बाद निर्णय किया गया कि फर्म दो ड्रेस का कपड़ा 425 रुपये में देगी। जबकि सिलाई की राशि 175 रुपये संबंधित स्कूल की एसएमसीके खाते में आयेंगे।

निशुल्क यूनिफॉर्म उपलब्ध करवाने को लेकर सरकार ने सरकारी स्कूलों के सभी बैंक खातों की जानकारी जुटाई थी, लेकिन अभी तक न खातों में पैसा आया और न ही बच्चों को यूनिफॉर्म मिल सकी है।

अगले महीने से नया शैक्षिक सत्र शुरू होना है। अभी भी शिक्षा विभाग की कोई तैयारी नजर नहीं आ रही है। राज्य सरकार की ओर से पिछले दिनों जारी निविदा में 600 रुपए में दो यूनिफॉर्म उपलब्ध कराने की शर्त रखी गई थी। ज्यादातर कारोबारियों ने इस शर्त की वजह से निविदा से दूरी बना ली थी। इसके बाद शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने कई कंपनियों के प्रतिनिधियों से बात भी की लेकिन ज्यादातर कंपनियों का कहना था कि महंगाई के इस दौर में 600 रुपए में कपड़ा ही नहीं आता ऐसे में सिलाई कहां से कराऐंगे।

एटीएम तोड़ने का प्रयास किया, सायरन बजने पर बदमाश फरार

उदयपुर, (कासं)। शहर के हिरणमगरी क्षेत्र में अज्ञात बदमाशों ने एटीएम तोड़ने का असफल प्रयास किया। पुलिस से मिली के अनुसार पीड़ित सेक्टर 11 स्थित इण्डियन बैंक के ब्रांच ऑफिसर अंशुल पुत्र ओमप्रकाश किराड़ ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि 26जून रात में दो बदमाश एटीएम में आए, जहां एटीएम केबिन में घुस कर वायर तोड़ दिए। इस दौरान सायरन बजने की जानकारी मिलने पर आरोपी फरार हो गये। सवेरे घटना की सूचना मिलने पर सविना थानाधिकारी रवीन्द्र चारण मय जाप्ता ने मौके पर पहुंचे। घटना स्थल का निरीक्षण कर बदमाशों की तलाश शुरू की।

पेट्रोल पंप पर चाकूबाजी मामले में सहयोगी गिरफ्तार

भीलवाडा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर में एक पेट्रोल पंप पर शनिवार रात चाकूबाजी की वारदात को अंजाम देने के मामले में पुलिस को मुख्य दो आरोपितों सहित तीन अन्य की तलाश है। अब तक इन बदमाशों का सहयोगी पकड़ा गया है।

पुलिस ने चाकूबाजी की वारदात मामले में एक को गिरफ्तार किया।

प्रताप नगर थाने के सब इंस्पेक्टर बलवीर खां ने बताया कि 25 जून को ट्रांसपोर्ट नगर में एक युवक पेट्रोल पंप पर बाइक में पेट्रोल डलवाने आया था। यह युवक बिना भुगतान किये वहां से बाइक लेकर भागा, जिसे दो कर्मचारियों ने पीछा कर सुखाड़िया स्टेडियम के पास रोका और पंप पर ले आये थे। जहां उक्त युवक ने फोन पे से 250 रुपये का भुगतान किया था। इसी बात को लेकर बाइक में पेट्रोल डलवाने वाला गोविंद सिंह नामक युवक रात 11 बजे अपने तीन साथियों के साथ दुबारा पंप पर पहुंचा। जहां ये लोग कर्मचारियों से गाली-गलौच करने लगे। ऐसे में पंप पर मौजूद कर्मचारी देवकिशन गुर्जर ने इन युवकों को गाली-गलौच नहीं करने व सुबह आकर बात करने के लिए कहा तो चार में से एक आरोपित ने देव किशन पर चाकू से हमला कर दिया थादेव किशन के बयान पर पुलिस ने मामला दर्ज कर टैंपो चालक कुलदीप सिंह निवासी वार्ड नं. 21, भवानी मंडी जिला झालावाड़, हाल मारुति नगर को रविवार को बापर्द गिरफ्तार किया था। जांच अधिकारी का कहना है कि कुलदीप, सहयोगी था। पंप से पेट्रोल गोविंद सिंह ने भरवाया था, जबकि चाकू मारने वाला भी उसका एक और साथी था।

अवैध हथियार सहित दो गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने तलवार व चाकू लेकर घूमते दो बदमाशों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से चोरी की गई दो बाइकें बरामद की।

जिला पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया, पुलिस उप अधीक्षक जितेन्द्र सिंह के सुपरविजन में गोवर्धन विलास थानाधिकारी चेलसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर रविवार को गोवर्धन सागर पाल पर अवैध छूरी हाथ में लेकर बाइक सवार बदमाश आने जाने वाले को धमका रहा था। जिस पर पुलिस दल ने आरोपी छालीबोर छोटी उन्दरी नई निवासी विदेश पुत्र काउराम को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से छूरी व चोरी की बाईक बरामद की। इसी अभियान के दौरान सोमवार को पुलिस दल ने दक्षिण विस्तार ओम बन्ना के पास से छोटी उन्दरी फला छाली बोर निवासी भेरूलाल पुत्र दालू को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से अवैध तलवार व चोरी की बाईक बरामद की।

अजमेर डिस्कॉम ने 17838 जगहों पर छापा मारा

अजमेर, (कासं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम ने बिजली चोरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष सतर्कता अभियान के तहत 17838 जगहों पर छापा मारा। इनमें 2416 जगहों पर बिजली चोरी तथा 652 जगहों पर बिजली के दुरूपयोग मामले सामने आये। इन सभी पर कुल 5.85 करोड रूपये जुर्माना लगाया गया है।

अजमेर विद्युत वितरण निगम के प्रबन्ध निदेशक एनएस निर्वाण ने बताया कि निगम की ओएण्डएम व विजिलेंस शाखा के अलावा मीटर एंड प्रोटेक्शन शाखा, प्रोजेक्ट विंग तथा स्टोर विंग के अभियंताओं को भी सतर्कता जांच करने के लिए निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि निगम के इंजीनियरों ने 11 जिलों में 17838 परिसरों की जांच की। जिसमें 2416 विद्युत चोरियां पकडी गई तथा 652 मामले विद्युत दुरुपयोग के सामने आये है। निगम ने इनके

- 5.85 करोड़ का जुर्माना लगाया, सबसे अधिक नागौर में 404 विद्युत चोरी के मामले पकड़े

विरुद्ध 5.85 करोड रूपये का जुर्माना लगाया है।

निर्वाण ने बताया कि डिस्कॉम की टीम में सबसे अधिक नागौर जिले के अभियंताओं ने 404 विद्युत चोरी के मामले पकडे जिन पर 78.35 लाख रूपये जुर्माना लगाया। इसके अतिरिक्त अजमेर शहर वृत में 32 मामलों पर 7.75 लाख, अजमेर जिलावृत में 47 मामलों पर 11.12 लाख, भीलवाड़ा में 374 मामलों पर 61.46 लाख, झुंझुनू में 318 मामलों पर 57.50 लाख, उदयपुर में 160 मामलों पर 18.70 लाख, राजसमंद में 64 मामलों पर 8.23 लाख, बांसवाड़ा में 159 मामलों पर 21.79 लाख, डुंगरपुर में 70 मामलों पर 6.98 लाख, चित्तौड़गढ़ में 387 मामलों पर 86.39 लाख तथा प्रतापगढ़ में 29 मामलों पर 4.33 लाख रुपयों का जुर्माना लगाया गया। इसके अतिरिक्त निगम की एम. एण्ड पी विंग ने 113 मामलों पर 30.40 लाख, विजिलेंस विंग ने 190 मामलों पर 51.33 लाख, प्रोजेक्ट विंग ने 56 मामलों पर 10.25 लाख व स्टोर विंग ने 13 मामलों पर 1.77 लाख रुपयों की विद्युत चोरियां पकड कर जुर्माना लगाया। इसके अतिरिक्त डिस्कॉम ने 652 जगह विद्युत दुरुपयोग के मामले दर्ज किए। इसके तहत 1.15 करोड़ रुपयों का जुर्माना लगाया गया।

प्रबन्ध निदेशक निर्वाण ने बताया कि आने वाले समय में इस अभियान को और अधिक गति दी जाएगी। जिससे विद्युत छीजत में कमी की जाकर सरकार के लक्ष्यों को हासिल किया जा सके।

अनुपस्थित शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस दिए

नागौर, (निसं)। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र कुमार शर्मा ने सोमवार को मकराना ब्लॉक के ग्राम चार्वड़िया में आयोजित फाउंडेशन लर्निंग एंड न्यूमैरिकी शिक्षक प्रशिक्षण शिविरों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 32 शिक्षकों के उपस्थिति पंजिका में हस्ताक्षर होने के उपरांत भी अनुपस्थित पाए गए। सीडीईओ शर्मा ने इन शिक्षकों द्वारा बरती गई लापरवाही व अनियमितता को गंभीरता से लेते हुए अनुपस्थित शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर शिविर प्रभारी तथा संबंधित सीबीईओ से जवाब तलब किया। शिविरों में कुल 180 शिक्षक पंजीकृत थे। उन्होंने समस्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिक्षकों के प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण की गुणवत्ता बनाये रखने के लिए किसी भी स्तर पर लापरवाही, अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जावेगी। उन्होंने प्रशिक्षणार्थी शिक्षकों को कहा कि वे प्रशिक्षण के दिन पूरे समय प्रातः 10 से सायं 5 बजे तक शिविर में रहे तथा प्रशिक्षण प्राप्त करें।

तेज रफ्तार इनोवा कार ने बुलेट बाइक को टक्कर मारी; युवक की मौत, साथी घायल

भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही बाइक की टंकी में आग लग गई, जिसमें दोनों वाहन जल गए

जयपुर (कासं)। राजधानी की मोतीडूंगरी रोड पर सोमवार अलसुबह तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। टैक्सी इनोवा कार ने गणेश मंदिर चौराहे पर बुलेट बाइक पर सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि टक्कर के बाद बाइक की पेट्रोल टंकी में तुरंत आग लग गई। इसके बाद दोनों वाहन धूं-धूं कर जल गए। हादसे में बाइक सवार एक एमबीबीएस छात्र की मौत हो गई, जबकि उसका साथ अस्पताल में जिंदगी-मौत से संघर्ष कर रहा है। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर युवक का शव परिजनों के हवाले कर दिया। वहीं दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर मामले की जांच शुरू की है।

- **मोतीडूंगरी चौराहे पर सोमवार अलसुबह 3 बजे हुआ हादसा, पुलिस मामले की जांच में जुटी**

जयपुर में मोतीडूंगरी रोड पर गणेश मंदिर चौराहे पर हुए हादसे में क्षतिग्रस्त बाइक और कार।

पुलिस ने बताया यह हादसा सोमवार अलसुबह 3 बजकर 5 मिनट पर गणेश मंदिर चौराहे पर हुआ। तेज रफ्तार इनोवा कार तख़्तेशाही रोड की तरफ से आ रही थी, जबकि बुलेट बाइक पर सवार दो एमबीबीएस छात्र जेडीए सर्किल की तरफ से एसएमएस मेडिकल कॉलेज की तरफ जा रहे थे। इस दौरान गणेश मंदिर चौराहे पर तेज रफ्तार में इनोवा कार ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के पेट्रोल टैंक में आग लग गई, जिसने इनोवा को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बाइक सवार दोनों युवकों को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया, जहां सुबह करीब 8 बजे इलाज के दौरान विजय चौधरी (22) पुत्र बाबूलाल चौधरी निवासी साहिबरामपुरा, कालाडेरा की सिर में गंभीर चोट और झुलसने के कारण मौत हो गई। उसका साथी मृगांक राणा (21) पुत्र विकास निवासी भरतपुर का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसके सिर में गंभीर चोट और पैर में फ्रैक्चर हुआ है।

पुलिस के मुताबिक बाइक को टक्कर मारने वाली इनोवा कार राजस्थान टूर एंड ट्रैवल्स कंपनी की है, जो कि रात को अपने स्टाफ को घर छोड़कर आ रही थी। घटना के वक्त कार में 3-4 लोग सवार थे, जो कि स्थानीय लोगों के आने पर मौके से फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक मृतक विजय चौधरी और घायल मृगांक एसएमएस मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे है, जो कि द्वितीय वर्ष के स्टूडेंट है।

बताया जा रहा है वह रात को अपने दोस्तों से मिलकर हॉस्टल लौट रहे थे। इस दौरान गणेश मंदिर चौराहे पर हादसा हो गया।

छह दिन बाद नए करोना संक्रमितों की संख्या सौ के नीचे आई

राज्य में सोमवार को 97 नए संक्रमित मिले, इससे पहले रविवार को 161 रोगी पाए गए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में छह दिन बाद सोमवार को नए करोना संक्रमितों की संख्या सौ के नीचे आ गई है। इसके चलते राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 97 नए संक्रमित मिले हैं। हालांकि, एक्टिव केस बढ़कर 880 हो गए हैं।

प्रदेश में सोमवार को 13 जिलों में 97 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले रविवार को 161 रोगी पाए गए थे। इधर आज राजधानी जयपुर में भी थोड़ी गिरावट के बाद 41 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा अजमेर में 16, जोधपुर में 12, सिरोही में 8, उदयपुर में 7, बीकानेर में 6 तथा टोंक, नागौर, अलवर, बांसवाड़ा, दौसा, गंगानगर और हनुमानगढ़ में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच 20 जिलों बारां, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, चूरू, धौलपुर, डूंगरपुर, जैसलमेर, जालोर, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, कोटा, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर और सीकर में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

- **राजधानी जयपुर में भी थोड़ी गिरावट के बाद 41 नए मरीज मिले हैं।**
- **प्रदेश में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 880 हो गए हैं।**

प्रदेश में सोमवार को भी रिकवरी कम हुई है। इस दौरान 75 मरीज ठीक हुए हैं। वहीं एक्टिव केस बढ़कर 880 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 336 मामले जयपुर में है। राज्य में पिछले चौबीस घंटे में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि, प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9563 लोगों मृत्यु हो चुकी है।

राजधानी जयपुर में सोमवार को सबसे ज्यादा 7 नए संक्रमित मालवीय नगर में पाए गए हैं। इसके अलावा वैशाली नगर में 4, बजाज नगर और मोती डूंगरी रोड पर 3-3, दुर्गापुरा, गांधी नगर, जगतपुरा, झोटवाडा, खातीपुरा, सांगानेर और सोडाला में 2-2 तथा आमेर, बापूनगर, सी-स्कीम, चांदपोल, सिविल लाइंस, जवाहर नगर, मानसरोवर, शास्त्री नगर और टोंक फाटक इलाके में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच जिले में 33 रोगी ठीक हुए हैं।

रेलवे पर आठ लाख रुपए का हर्जाना

जयपुर। रेलवे दावा अधिकरण की जयपुर पीठ ने ट्रेन से गिरने से यात्री की मौत के मामले में रेलवे पर आठ लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। अधिकरण ने उत्तर-पश्चिम रेलवे को कहा है कि वह हर्जाना राशि पर नौ फीसदी ब्याज भी अदा करे। अधिकरण ने यह आदेश तारो देवी व अन्य की क्लेम याचिका पर दिए। क्लेम याचिका में कहा गया कि 20 फरवरी 2018 को टोडरमल ट्रेन से अलवर से खानपुर अहिरान जा रहा था। खानपुर अहिरान स्टेशन से पहले पहुंचकर ट्रेन रुक गई। वह उतरने के लिए जैसे ही कोच के गेट पर आया, ट्रेन झटके के साथ चलने लगी। जिसके चलते टोडरमल का संतुलन बिगड गया और वह नीचे गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई।

पायलट, गहलोत को कांटे की तरह चुभते हैं : कटारिया

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने पायलट और गजेंद्र सिंह शेखावत को लेकर दिए गए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत को सचिन पायलट एक कांटे की तरह चुभ रहा है। वो चाहते हैं कि किसी भी तरह से इस कांटे को निकालकर बाहर कर दें ताकि निरंकुश राज करने के लिए आगे के रास्ते खुल जाएं। लेकिन पार्टी आलाकमान भी पायलट के पब्लिक सपोर्ट को नकार नहीं सकता। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने पायलट को निकम्मा, नकारा जाने क्या-क्या उपाधि दे दी, भड़ास भरी हुई है। शांति धारीवाल तो मुख्यमंत्री के सपोर्ट में ही खड़े हैं। पब्लिक सपोर्ट दृष्टि से गहलोत और धारीवाल में कोई दम नहीं है, लेकिन पायलट में आज भी दम है, जो आज भी कांग्रेस से बहुत बड़े वोटबैंक को जोड़े हुए हैं। कटारिया ने कहा कि पायलट को राजस्थान में एक समाज का बहुत बड़ा सपोर्ट था। जिसकी वजह से सरकार बनी है। पायलट मुख्यमंत्री के रूप में प्रोजेक्ट नहीं होते तो पूर्वी राजस्थान, जहां हमको एक सीट मिली, यह स्थिति नहीं बनती और हमारी सरकार 100 प्रतिशत बनती।

राज्य में 309 कोविड से मृतक राजकीय कार्मिकों के आश्रितों को 154.50 करोड़ की मदद

जयपुर, (का.सं.)। राजकीय सेवा से संम्बद्ध कोविड मृतक कार्मिकों के आश्रितों को सहायता राशि उपलब्ध करवाने के संबंध में सोमवार को सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के शासन सचिव डॉ. पृथ्वी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोविड से मृतक राजकीय कार्मिकों के आश्रितों को सहायता राशि दिलवाने के बकाया मामलों में सहानुभूतिपूर्वक विचार करें।

डॉ. पृथ्वी ने कहा कि ये सभी कार्मिक सीधे तौर पर कोविड प्रबंधन से जुड़े हुए थे और उन्होंने लोगों को बचाने के लिए अपनी जान की परवाह नहीं करते हुए राजकीय कर्त्तव्य का पालन किया। अब हमारा फर्ज बनता है कि हम उनके आश्रितों को सहायता राशि दिलवायें। उन्होंने कहा कि बकाया प्रकरणों में जहां दस्तावेजों की औपचारिकता बाकी है वहां संबंधित विभाग आगे बढ़कर दस्तावेजों को पूरा करवाये और मृतक के आश्रितों को राहत प्रदान करें। उन्होंने आगामी 10 दिवस में बकाया प्रकरणों का निस्तारण करने के निर्देश प्रदान किए।

राज्य में कोविड से मृतक 309 कार्मिकों के आश्रितों को 154.50 करोड़ रुपये की सहायता राशि अब तक दी जा चुकी है।

राज्य में राजकीय सेवा से सम्बद्ध 309 कोविड से मृतक कार्मिकों के आश्रितों को 154.50 करोड़ रुपये की सहायता राशि दिलवायी जा चुकी है। राजकीय सेवा से सम्बद्ध कोविड से मृतक के आश्रितों को 50-50 लाख रुपये की सहायता राशि सरकार की ओर से प्रदान की जा रही है।

अगर हम एजबेस्टन में जीते तो यह भारत की सर्वश्रेष्ठ जीत में से एक होगी : पुजारा

लेस्टर, 27 जून। भारत लगभग एक साल से इतिहास रचने के शिखर पर है। भारत ने पिछले साल सितंबर में पांच मैचों की सीरीज़ में 2-1 की बढ़ त के साथ इंग्लैंड छोड़ दिया था। अब आख़िरकार यह सीरीज़ एक जुलाई से दोबारा एजबेस्टन में शुरू हो रही है और अगर यह आख़िरी मैच भारत के पक्ष में गया तो चेतेश्वर पुजारा को लगता है कि यह भारत की सर्वश्रेष्ठ जीत में से एक होगी।

लेस्टरशायर के ख़िलाफ़ अभ्यास मैच से इतर पुजारा ने बीसीसीआई वेबसाइट पर कहा किमुझे लगता है कि सबसे अच्छी बात यह है कि हमारे पास खिलाड़ियों का अच्छा ठुप है। हमारे पास अच्छे तेज़ गेंदबाज़ हैं। पिछले चार टेस्ट मैचों में जिस तरह से खिलाड़ियों ने अच्छा किया है, मुझे पूरा विश्वास है कि ऐसा ही प्रदर्शन करने के लिए खिलाड़ी उत्सुक होंगे और अगर हम यह मैच जीतते हैं और इंग्लैंड की सरजमीं पर सीरीज़ जीतते हैं तो मुझे लगता है कि यह भारत की सर्वश्रेष्ठ जीत में से एक होगी।''

जब यह सीरीज़ कोविड की वजह से रूकी थी तो भारत इसमें आगे था। केएल राहुल और जसप्रीत बुमराह ने लॉर्ड्स के मैदान पर आख़िरी दिन शानदार जीत दिलाई थी। ओवल में रोहित शर्मा ने दिखाया कि वनडे की आक्रामकता के इतर टेस्ट में उनके पास डिफ़ेंस की मास्टरक्लास है। बुमराह, मोहम्मद शमी के साथ उस दौरान शानदार दिखे तो मोहम्मद सिराज ने दबाव में कमाल का प्रदर्शन किया। लेकिन अब चीज़ें जुदा हैं। ब्रेंडन मैकुलम टीम के कोच बन चुके हैं और कप्तानी बेन स्टोक्स के पास है। इंग्लैंड ने टेस्ट क्रिकेट खेलने की एक आक्रामक शैली को अपनाया है जिसने पहले ही उन्हें इतिहास बनाने में मदद की है।

नए मैनेजमेंट के नेतृत्व में मात्र दूसरे ही मैच में उन्होंने विश्व चैंपियन न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ 50 ओवर में 299 रन बनाकर जीत हासिल की थी। भारतीय खिलाड़ी भी अच्छी लय में हैं लेकिन ज़्यादातर खिलाड़ी टी20 क्रिकेट सीज़न खेलने के बाद आ रहे हैं, जबकि उनकी विरोधी टीम के खिलाड़ी पहले से ही टेस्ट क्रिकेट के रंग में रंग चुके हैं। पुजारा ने कहा कि मुझे लगता है कि यह हमारे लिए अच्छी चुनौती है। हां हम सीरीज़ में 2-1 से आगे हैं, लेकिन उसी जगह यह इस सीरीज़ का सबसे अहम टेस्ट है। और जैसा कि आपने बताया कि यह बहुत लंबे समय बाद हुआ तो हमें बस दोबारा से एक साथ जुड़ना होगा। हमें बस अपनी ताक़त को समझना होगा। अच्छी बात यह है कि हम यहां पहले ही पहुंच गए हैं। खिलाड़ियों ने यहां पर बहुत तैयारी की है। और हां, अगर हम अपनी ताक़त के साथ खेले, समझे कि एक टीम के तौर पर हमें क्या चाहिए और उन चार टेस्ट में हमें कैसे सफलता मिली तो हम उन चीज़ों को दोहरा सकते हैं। लेकिन इंग्लैंड की टीम में भी कुछ बदलाव हुए हैं। तो हमें उनकी ताक़त को समझने की ज़रूरत है और उसके बाद अपनी रणनीति बनानी होगी। मुझे उम्मीद है कि सहायक स्टाफ़ और प्रबंधन रणनीति के बारे में बाद में बात करेंगे, लेकिन हमें इस अहम टेस्ट के लिए अच्छे से रणनीति बनानी होंगी। 2007 में टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ ने भारत को इंग्लैंड में इंग्लैंड के ख़िलाफ़ सीरीज़ जिताई थी, लेकिन उसके बाद से ऐसा नहीं हो सका है। 15 साल हो गए हैं और भारत के लिए पुजारा ने टीम से ड्रॉप होने के बाद दोबारा वापसी की है। श्रीलंका के ख़िलाफ़ घरेलू सीरीज़ से उन्हें बाहर कर दिया गया था। 34 वर्षीय बल्लेबाज़ के पास सीमिंग परिस्थितियों में खेलने का अच्छा अनुभव है, जिसका उन्होंने अप्रैल और मई में अच्छा उपयोग किया। काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन टू में ससेक्स के लिए खेलते हुए उन्होंने आठ पारियों में 720 रन जड़ दिए थे। पुजारा से जब उनके गेम प्लान के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि हम अलग अलग फ़ेज में अच्छी बल्लेबाज़ी करें। आपको पूरे समय अच्छी बल्लेबाज़ी करनी होगी लेकिन आपको गेम के फ़ेज को समझना जरूरी है। ड्यूक गेंद को देखते हुए आपको यह पक्का करना होगा कि जब यह नई हो तो आप कई विकेट नहीं गंवाए। जबकि एक बल्लेबाज़ के तौर पर आप को पुरानी गेंद की तुलना में अधिक सतर्क रहने की ज़रूरत है। कई बार ऐसा समय आएगा जब गेंदबाज़ स्फुर्ती से भरे होंगे और वे अच्छे स्पेल करेंगे। आपको उसे समझने की ज़रूरत है। ऐसे भी समय आएंगे जब आप चौथे गेयर में होंगे, जब आप समझेंगे कि गेंद अच्छा नहीं कर रही है और गेंदबाज़ थके हुए हैं।

इंग्लैंड ने न्यूज़ीलैंड को सात विकेट से हराया, सीरीज़ 3-0 से अपने नाम की

लीड्स, 27 जून। जो रूट (86), ओली पोप (82) और जॉनी बेयरस्टो (71) के अर्धशतकों की बदौलत इंग्लैंड ने न्यूज़ीलैंड को तीसरे टेस्ट में सात विकेट से हराकर सीरीज़ 3-0 से अपने नाम की।

इस सीरीज़ से पहले इंग्लैंड टेस्ट क्रिकेट में लगातार खराब प्रदर्शन के कारण सवालों से घिरी हुई थी, लेकिन कोच ब्रेंडन मैकुलम और कप्तान बेन स्टोक्स की अगुवाई में टीम ने 'मेकस्टोक्स एरा' की शुरुआत जीत के साथ करके सभी आलोचकों को शांत कर दिया है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप विजेता न्यूज़ीलैंड ने इंग्लैंड के सामने 296 रन का लक्ष्य रखा था और पांचवे दिन सोमवार को इंग्लैंड को 113 रन और बनाने थे। इंग्लैंड ने तीन विकेट पर 296 रन बनाकर न्यूज़ीलैंड को 3-0 से सफाया कर दिया।

इंग्लिश टीम ने 183/2 से शुरू करते हुए पोप का विकेट जल्दी गंवा दिया। 108 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 82 रन बनाने वाले पोप को टिम साउदी ने बोल्ड किया, लेकिन इसके बाद क्रीज़ पर आये बेयरस्टो की धुंआधार बल्लेबाज़ी की मदद से इंग्लैंड ने आसानी से जीत दर्ज की। अपनी पिछली दो पारियों में शतक (136, 162) लगाने वाले बेयरस्टो ने 43 गेंदें खेलकर नौ चौकों और तीन छक्कों की बदौलत नाबाद 71 रन बनाये। उनके साथ रूट भी 125 गेंदों पर 11 चौके और एक छक्का लगाकर 86 रन पर नाबाद रहे। बेयरस्टो ने माइकल ब्रेसवेल की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का मारकर मैच समाप्त किया। न्यूज़ीलैंड की ओर से माइकल ब्रेसवेल और टिम साउदी ने एक-एक विकेट लिया।

मैंने हैरी टेक्टर को एक बैट दिया है, ताकि वह और छक्के लगाएं : पांड्या

डबलिन, 27 जून (वार्ता) आयरलैंड के खिलाफ टी20 श्रंखला में भारतीय टीम की अगुवाई कर रहे हार्दिक पांड्या ने आयरिश बल्लेबाज हैरी टेक्टर की तारीफ करते हुए कहा कि वह उन्हें आईपीएल में देखना चाहते हैं। 22 वर्षीय टेक्टर ने भारत के खिलाफ रविवार को खेले गये वर्षाबाधित पहले टी20 में 33 गेंद पर नाबाद 64 रन बनाकर आयरलैंड को 12 ओवर में 108 रन तक पहुंचाया, हालांकि भारत ने यह लक्ष्य 9.2 ओवर में ही हासिल कर लिया।

पांड्या ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में टेक्टर की जमकर तारीफ़ की और कहा कि वह उन्हें भविष्य में आईपीएल में देखना चाहते हैं। पांड्या ने कहा कि उन्होंने कई शानदार शॉट खेले। वह सिर्फ 22 साल के हैं। मैंने उन्हें एक बल्ला भेंट किया है, ताकि वह कुछ और छक्के लगाएं और शायद एक आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट भी हासिल करें। उनके साथ मेरी शुभकामनाएं हैं। इससे पहले टेक्टर आईसीसी अंडर-19 विश्व कप में भी अपने शानदार प्रदर्शन से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच चुके हैं। न्यूज़ीलैंड में हुए इस आयोजन में टेक्टर आयरलैंड के दूसरे सर्वाधिक रन-स्कोरर रहे थे, और उन्होंने नामीबिया के खिलाफ 101 रन की शतकीय पारी भी खेली थी। पांड्या ने कहा कि टेक्टर को सही मार्गदर्शन की जरूरत है।

कप्तान हार्दिक पांड्या ने जीत के साथ शुरुआत की:-कप्तान हार्दिक पांड्या (एक विकेट और 24 रन) के ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत भारत ने रविवार को पहले टी20 मैच में आयरलैंड को सात विकेट से शिकस्त दी। बारिश के कारण मैच देर से शुरू हुआ और आयरलैंड ने भारत के सामने 12 ओवर में 109 रन का लक्ष्य रखा, जिसे भारत ने 9.2 ओवर में ही प्राप्त कर लिया।

भारत के लिए पहली बार पारी की शुरुआत कर रहे दीपक हुड्डा ने सर्वाधिक 47 रन बनाए।। हुड्डा ने 29 गेंदों की अपनी पारी में छह चौके और दो छक्के लगाए। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन ने 11 गेंदों पर तीन चौके और दो छक्के लगाकर 26 रन की पारी खेली। पहली बार भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे हार्दिक पांड्या ने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए पहले आयरलैंड का एक विकेट चटकाया और फिर लक्ष्य का पीछा करते हुए 12 गेंदों पर एक चौके और तीन छक्कों की बदौलत 24 रन बनाए। आयरलैंड की ओर से क्रेग यंग ने दो ओवर में 18 रन देकर दो विकेट लिए, जबकि जोशुआ लिटल ने 2.2 ओवर में एक विकेट लेकर 39 रन दे दिए।

इससे पहले आयरलैंड ने हैरी टेक्टर (33 गेंदों पर 64 रन) की विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत भारत के सामने 109 रन का लक्ष्य रखा था। भारत ने टॉस जीतकर आयरलैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया और 22 रन पर ही आयरलैंड के तीन विकेट गिरा दिए।

रोच के 250 टेस्ट विकेट, विंडीज जीत के करीब

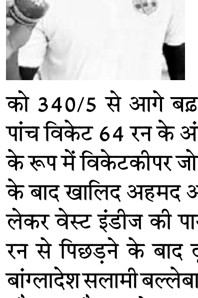

सेंट लूसिया, 27 जून। वेस्ट इंडीज़ ने काइल मेयर्स (146) और क्रेग ब्रेथवेट (51) की बदौलत बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में रविवार को 408 रन बनाकर 174 रन की बढ़ त हासिल की। बांग्लादेश तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में 132 रन पर छह विकेट गंवाकर लगातार दूसरी हार के करीब है।

तीसरे दिन वेस्ट इंडीज की पारी को 340/5 से आगे बढ़ ाते हुए वेस्ट इंडीज़ ने अपने अंतिम पांच विकेट 64 रन के अंदर खो दिये। 344 रन पर छठे विकेट के रूप में विकेटकीपर जोशुआ डा सिल्वा (29) के आउट होने के बाद खालिद अहमद और शोरिफुल इस्लाम ने दो-दो विकेट लेकर वेस्ट इंडीज की पारी को 408 रन पर रोक दिया। 172 रन से पिछड़ने के बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश सलामी बल्लेबाजों को केमार रोच ने सस्ते में पवेलियन लौटाया और अपने 250 विकेट भी पूरे किये। रोच के 250वें विकेट तमीम इकबाल ने आठ गेंदों पर चार रन बनाये जबकि महमूदुल हसन जॉय ने 21 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 12 रन जोड़े। इसके बाद रोच ने अनामुल हक को भी चार रन पर चलता किया और बांग्लादेश ने 32 रन पर तीन विकेट गंवा दिये। इसके अलावा लिटन दास ने 19 और शाकिब अल हसन ने 16 रन बनाये। बांग्लादेश के लिये नजमुल हुसैन शंटो ने सर्वाधिक 42 रन की पारी खेली। 92 गेंदों की अपनी पारी में नजमुल ने आठ चौके लगाये। दिन का खेल खत्म होने तक विकेटकीपर नूरुल हसन 16 रन बनाकर क्रीज़ पर मौजूद हैं जबकि उनके साथी मेहदी हसन शून्य पर खेल रहे हैं।

इंग्लैंड की वनडे और टी20 की कप्तानी छोड़ सकते हैं मॉर्गन

लंदन, 27 जून। इयोन मॉर्गन साढ़ े सात साल के कार्यभार के बाद मंगलवार को इंग्लैंड के सीमित ओवरों की कप्तानी छोड़ सकते हैं। मॉर्गन को 2014 में नियुक्त किया गया था। उन्होंने सीमित ओवरों के क्रिकेट में इंग्लैंड के दृष्टिकोण को बदलने में नेतृत्व किया।

मॉर्गन ने वनडे टीम में बदलाव किया और इंग्लैंड को 2019 में पहला विश्व कप ख़िताब जिताया, लेकिन उनकी फ़ॉर्म और फ़िटनेस ने उन्हें अपने भविष्य पर विचार करने मजबूर कर दिया है। दाहिने पैर की मांसपेशियों में नियमित चोट के कारण वह इस साल लगातार मैच नहीं खेल पाए हैं। नीदरलैंड्स के ख़िलाफ़ तीसरे वनडे में चोट की वजह से मॉर्गन नहीं खेल पाए जबकि सीरीज़ के पहले दो मैचों में वह शून्य पर आउट हुए थे। द गार्डियन ने बताया कि मॉर्गन अपने भविष्य पर विचार कर रहे हैं और वह मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने के लिए तैयार हैं। मॉर्गन की अनुपस्थिति में टीम की कमान संभालने वाले जॉस बटलर को उनकी जगह कप्तान बनाया जा सकता है।

इससे पहले मोईन अली ने बीबीसी के टेस्ट मैच स्पेशल पर कहा था कि वह महसूस कर रहे हैं कि वह अब अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेल सकते हैं। हालांकि वह अभी भी टीम को पहले रखते हैं, जो दिखाता है कि वह कितने निःस्वार्थ हैं। उन्होंने असाधारण काम किया है और वह हमारे लिए अब तक के सर्वश्रेष्ठ हैं। उन्होंने अद्भुत काम किया है और वह जानते हैं कि जीतने के लिए क्या करना पड़ता है। इस समय उनके बिना टीम की कल्पना भी करना अजीब है। ज़ाहिर है चीज़ें बदलती हैं और आपको इसकी आदत हो जाती है, लेकिन यह निश्चित रूप से यह दुःख की बात है। मॉर्गन ने 2019 और 2020 में अपने करियर के कुछ बेहतरीन फ़ॉर्म का आनंद लिया, लेकिन पिछले 18 महीनों में वह कुछ ख़ास नही कर सके हैं। उन्होंने 2021 की शुरुआत से सीमित ओवरों के क्रिकेट की 48 पारियों में सिर्फ़ एक अर्धशतक बनाया है। नीदरलैंड्स के ख़िलाफ़ हालिया सीरीज़ में वह एक भी रन बनाने में विफल रहे। यह देखा जाना है कि क्या मॉर्गन सभी प्रकार के क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे या फिर फ़्रैंचाइज़ी लीग में खेलना जारी रखेंगे। मोईन ने कई मौक़ों पर मॉर्गन की अनुपस्थिति में कप्तानी भी की है, लेकिन उन्होंने बटलर को अपना समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि बडत्री बात यह है कि जॉस पहले कप्तानी कर चुका है। ज़ाहिर है जब मॉर्गन नहीं खेलता है और उस मैच में जॉस खेल रहा होता है तो वह कप्तान होता है।

राष्ट्रपति बाइडन प्रधानमंत्री मोदी से हाथ मिलाने को बेताब दिखे

जी-7 समिट में फोटो सैशन से पहले राष्ट्रपति बाइडन दौड़कर प्रधानमंत्री मोदी के पास आये और उन्हें अपना अहसास कराने के लिए प्र.मंत्री मोदी के कंधे पर हाथ रखा

करीब एक हजार साल पहले एक सम्प्रदाय हुआ करता था शिंगोन, जिसमें बौद्ध धर्म, प्राचीन शिंटो, ताओवाद व अन्य धर्मों के मिले-जुले नियमों का पालन होता था। शिंगोन मत ने एक भयावह और डरावनी प्रक्रिया विकसित की थी, जिसके तहत जीवित शरीर की ममी बना दी जाती थी। इसका लक्ष्य धार्मिक अनुशासन और समर्पण का प्रदर्शन करना था। इस प्रैक्टिस को सोकूशिनबुत्सू कहा जाता था और जापान के एक भिक्षुक कुकाई ने इसे शुरु किया था। इसमें कई वर्ष्निों की क्रूर प्रक्रिया से शरीर को सुखाया जाता था, जिसका अंतिम नतीजा मौत होती थी, जिसके बाद शरीर प्रिज़र्व हो जाता था। अपने ही शरीर को ममी बनाने की प्रक्रिया बहुत दर्दनाक और क्रूर होती थी। पहले हजार दिन तक तो भिक्षुक सिर्फ नट्स, बीज, फल और बैरीज़ खाते थे और बहुत कड़ा शारीरिक श्रम करते थे जिससे शरीर की सारी वसा खत्म हो जाए। दूसरा चरण भी एक हजार दिन का होता था, इस अवधि में वे सिर्फ पेड़ की छाल व जड़ें ही खाते थे। इस अवधि के बाद उरुशी वृक्ष के सत से बनी विर्ष्निैली चाय पीते थे जिससे उल्टी आती थी और शरीर का पानी निकलने लगता था। यह चाय प्रिज़र्वेटिव की तरह भी काम करती थी तथा उन कीटों और बैक्टीरिया को नष्ट करती थी जिनकी वजह से मृत्यु के बाद शरीर सड़ने लगता है। छः साल की यातना के बाद अंतिम चरण में भिक्षुक खुद को पत्थर के एक मकबरे में बंदकर लेते थे जो उनके शरीर से थोड़ा सा ही बड़ा होता था। यहाँ पर वो पद्मासन में ध्यान मुद्रा में बैठ जाते थे तथा मृत्यु आने तक ऐसे ही बैठे रहते थे। एक छोटी नली से मकबरे में ऑक्सीजन दी जाती थी। मकबरे के अंदर से भिक्षुक रोज घंटी बजाता था ताकि बाहरी दुनिया को पता लगे कि वह जिंदा है। जब घंटी बजनी बंद हो जाती थी तो मान लिया जाता था कि वह मर गया है, इसके बाद नली हटा ली जाती थी और मकबरा सील कर दिया जाता था। एक हजार दिन बाद मकबरा खोला जाता था, तब तक भिक्षुक खुद को ममी बना चुका होता था। अगर शव संरक्षित स्थिति में मिलता था तो उस भिक्षुक को बुद्ध का दर्जा मिल जाता था। उसके शव को मकबरे से निकालकर मंदिर में स्थापित किया जाता था जहां उसकी पूजा होती थी। यह परम्परा उन्नीसवीं सदी तक चलती रही, बाद में जापान की सरकार ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया। माना जाता है कि, सैकड़ों भिक्षुकों ने इस प्रक्रिया को अपनाया लेकिन केवल 28 ही अपने शव को ममी में बदल पाए। इनमें से कुछ जापान के मंदिरों में स्थापित हैं।

नई दिल्ली, 27 जून। प्रधानमंत्री मोदी जर्मनी में जी-7 की शिखर बैठकों में हिस्सा ले रहे हैं, जी-7 के तमाम नेतओं के बीच बैठकों एवं मुलाकातों का दौर चल रहा है।

इस दौरान ग्रुप फोटो सैशन के बाद का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें देखा जा सकता है कि ग्रुप फोटो से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन पीछे की तरफ से खुद चलकर या थोडा सा दौड़कर प्रधानमंत्री मोदी के पास आते हैं और उनका अभिवादन करते हैं। वीडियो को देखकर ऐसा लग रहा है कि, प्र.मंत्री मोदी को पुकारने के बाद राष्ट्रपति बाइडन ने अपना एहसास दिलाने के लिए प्र.मंत्री मोदी के कंधे पर दौड़कर हाथ रखा।

- इस घटना का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें साफ तौर पर राष्ट्रपति बाइडन की बेताबी देखी जा सकती है।
- मोदी-बाइडन मुलाकात के इस वीडियो की जमकर चर्चा हो रही है। लोगों का मानना है कि, यह भारत के बढ़ते वैश्विक कद का प्रतीक है।
- प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्विटर पर कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति जो बाइडन, राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से मुलाकात की।'' प्रधानमंत्री मोदी ने समूह फोटो के साथ एक कैप्शन भी ट्वीट किया, जिसमें लिखा था, ''विश्व नेताओं के साथ जी -7 शिखर सम्मेलन में।''

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भी उनसे गर्मजोशी से मुलाकात की। गौरतलब है कि, जिस अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात करने के लिए दुनियाभर के मुल्कों के राष्ट्राध्यक्ष महीनों का इंतजार करते हैं, वे प्रधानमंत्री मोदी से हाथ मिलाने खुद दौड़े आएं।

वीडियो में दिख रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी जब कैनेडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से बात कर रहे थे, इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन उनसे मिलने के लिए खुद चलकर आए। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के कंधे पर पीछे से हाथ रखकर अपनी मौजूदगी का अहसास कराया, जिसके बाद दोनों नेताओं ने हाथ मिलाकर गर्मजोशी से एक दूसरे का अभिवादन किया। मोदी-बाइडन मुलाकात के इस वीडियो की जमकर चर्चा हो रही है। लोगों का मानना है कि, यह भारत के बढ़ते वैश्विक कद का प्रतीक है।

भारत ने रूस-यूक्रेन संकट, कोविड महामारी और दूसरे मसलों में जैसी कूटनीति की है, उसका अमेरिका भी कायल है। यही कारण है कि जो बाइडन प्रधानमंत्री मोदी को इतना महत्व देते नजर आ रहे हैं। यूक्रेन पर रूस के हमले के दौरान जब पूरी दुनिया अलग-अलग ध्रुवों की तरफ खुलकर आ रही थी, उस दौरान भारत ने संतुलन को बनाए रखा। भारत ने अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद रूस से भारी मात्रा में तेल आयात किया और अमेरिका को भी इससे कोई परेशानी नहीं हुई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां जी-7 शिखर सम्मेलन स्थल पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के अलावा फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से भी मुलाकात की। समूह फोटो खिंचवाने से पहले इन नेताओं के बीच बातचीत हुई।

जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने दक्षिणी जर्मनी में शिखर सम्मेलन में उनका स्वागत किया। समूह फोटो के लिए कनाडा के अपने समकक्ष ट्रूडो के बगल में खड़े प्रधानमंत्री मोदी को भी कनाडा के प्रधानमंत्री के साथ बातचीत करते देखा गया। दोनों नेताओं का आज शाम को द्विपक्षीय बैठक करने का कार्यक्रम है।

मोदी और मैक्रों आपस में गले मिले और समूह फोटो के बाद बातचीत की। जैसे ही जी-7 के नेता शिखर सम्मेलन स्थल के अंदर गए, दोनों नेताओं ने अपनी चर्चा जारी रखी और एक साथ अंदर चले गए।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्विटर पर कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति जो बाइडन, राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से मुलाकात की।'' प्रधानमंत्री मोदी ने समूह फोटो के साथ एक कैप्शन भी ट्वीट किया, जिसमें लिखा था, ''विश्व नेताओं के साथ जी -7 शिखर सम्मेलन में।''

बेनीवाल की हुंकार रैली में झलकी आगामी विधानसभा चुनाव की आहट

हनुमान बेनीवाल ने जोधपुर के रावण का चबूतरा स्थल से अग्निपथ के विरोध में हुंकार रैली की

जोधपुर, 27 जून (कासं)। नागौर सांसद एवं राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आर.एल.पी.) के संयोजक हनुमान बेनिवाल ने आज जोधपुर के रावण का चबूतरा स्थल से केंद्र की अग्निपथ योजना का एक तरफ हुंकार रैली के रूप में विरोध किया तो दूसरी तरफ उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री को भी कई मुद्दों पर घेरा। इस हुंकार रैली में आगामी विधान सभा चुनाव की आहट नजर आई। इससे लगा कि, रालोपा कोई बड़ी शक्ति बनकर उभर सकती है। जोधपुर में सैकड़ों की तादाद में जुटे युवाओं को वे संबोधित कर रहे थे।

अग्निपथ स्कीम के विरोध में सोमवार को राजस्थान में कांग्रेस ने सत्याग्रह विरोध-प्रदर्शन किया तो जोधपुर में नागौर सांसद व राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी आरएलपी संयोजक हनुमान बेनीवाल ने युवा हुंकार रैली का आयोजन किया। यहां के चबूतरा मैदान

- दूसरी तरफ उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री को भी कई मुद्दों पर घेरा। हुंकार रैली में आगामी विधानसभा चुनाव की आहट नजर आई। बेनीवाल ने जोधपुर में सैकड़ों की तादाद में अग्निवीरों को संबोधित किया, लगा कि रालोपा बड़ी शक्ति बन कर उभर सकती है।

में कई जिलों से बड़ी तादाद में युवा शामिल हुए। उन्होंने युवा हुंकार महारैली में राज्य व केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि, अग्निपथ योजना युवाओं के हित में नहीं है। टीओडी की इस स्कीम यानी टूर ऑन ड्यूटी ने सेना को पर्यटन बना दिया है। सेना को ठेके पर दे दिया। सेना टूर के लिए नहीं है। अकेला हनुमान बेनीवाल भाजपा के पक्ष में तीन रैली करके गया और वैभव हार गया। यह मोदी लहर नहीं थी। भाजपा वैंटिलेटर पर थी और जनता ने उसे बाहर निकाल दिया था। जब जीत कर दिल्ली पहुंचा और देखा कि वहां किसानों के हित की बात नहीं हो रही, तो भाजपा से मैंने किनारा कर लिया। जब मैंने पार्टी छोड़ी, तब लोगों ने कहा कि पार्टी छोड़कर सड़क पर क्यों जा रहे हो। तब मैंने कहा- मेरे पिताजी 1977 में विधायक थे। मुझे जनता ने सांसद बनाया है, पार्टी ने नहीं।

बेनीवाल बोले- मोदीजी जब चाहे गोल कर देते हैं। राहुल-सोनिया के पीछे ईडी को लगा दिया। वे परेशान होकर इटली चले जाएंगे। यूक्रेन ने अपनी इज्जत आबरु बचाने के लिए रूस से टक्कर ली। रूस कब्जा छुड़ाने के लिए यूक्रेन पर हमला कर रहा है। लेकिन हमारा देश पाकिस्तान से कब्जा हटाने के लिए कोई हमला नहीं करता।

बेनीवाल ने कहा- गहलोत के भाई के घर ईडी की रेड हुई तो दिल्ली छोड़कर आ गए। वे कहते हैं कि केंद्र ईडी का दुरुपयोग कर रहा है। कांग्रेस ने भी ईडी का दुरुपयोग किया था। जिसको मौका मिलता है, वह चौका मारता है। मैं भी मारूंगा, लेकिन किसान हित के लिए। महंगाई के खिलाफ। रैली में बेनीवाल का भाषण शुरू होते ही लाइट चली गई। युवा हल्ला मचाने लगे। बोतलें उछालने लगे। कुछ देर के लिए लगा कि व्यवस्था बिगड़ रही है। फिर बेनीवाल ने डपटकर युवाओं को शांत कराया।

पिता की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि चूँकि उन्होंने अपनी पहली प्रार्थना वापस ली है, इसलिए जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय को उनकी दूसरी प्रार्थना पर विचार करना चाहिए। क्योंकि उनके बेटे को आतंकवादी करार दिया गया था, इसलिए पुलिस ऐसे व्यक्ति के शरीर को नहीं सौंपती है और खुद ही दफनाती है।

'राजस्थान की राजनीति में पायलट ने ज़हर पिया है, महादेव ने ज़हर पिया था, उनका सावन में अभिषेक होता है'

कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम के इस बयान को लेकर अटकलों का बाजार गर्म हो गया है

जयपुर, 27 जून (का.प्र.)। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और मंत्री शांति धारीवाल की ओर से किए गए हमले के बाद प्रियंका गांधी के नजदीकी कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णम ने कहा है कि, पायलट ने सियासी जहर पीया है और जहर पीने वाले का सावन में अभिषेक होगा। उनके इस बयान के मुख्यमंत्री गहलोत सहित अन्य नेताओं द्वारा दिए गए बयान से जोड़कर कई मायने निकाले जा रहे हैं। कुछ लोग तो यह भी कह हरे हैं कि आने वाले एक-

- आचार्य प्रमोद कृष्णम प्रियंका गांधी के नज़दीकी माने जाते हैं।

दो महीने में राजस्थान में राजनीतिक परिस्थितियां बिल्कुल बदल सकती हैं।

प्रियंका गांधी के नजदीकी और सचिन समर्थक आचार्य प्रमोद कृष्णम ने इशारों में पायलट को बड़ी जिम्मेदारी दिए जाने का दावा किया है। आचार्य प्रमोद ने कहा कि, राजस्थान की राजनीति में सचिन पायलट ने जहर पीया है। महादेव ने जहर पीया था, उनका सावन में अभिषेक होता है। सावन आ रहा है, तो सियासी जहर पीने वाले का भी अभिषेक होगा।

आचार्य प्रमोद कृष्णम के साथ ही पायलट समर्थक कांग्रेस विधायक इंद्राज गुर्जर ने इशारों में सीएम पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया- जमीन पर बैठा हुआ आदमी कभी नहीं गिरता, फ़िक्र उनको है, जो हवा में है। इसे गहलोत के बयान के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है।

अग्निपथ भर्ती में 94 हजार आवेदन

नई दिल्ली, 27 जून (वार्ता)। सेनाओं में जवानों की भर्ती की नयी योजना अग्निपथ के देशव्यापी विरोध के बीच वायु सेना में अग्निवीरों की भर्ती के लिए तीन दिन में करीब 57 हजार युवाओं ने आवेदन किया है।

वायु सेना ने 24 जून को भर्ती प्रक्रिया के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू किया था। वायु सेना के अनुसार 27 जून तक यानी चार दिन में कुल 94

- भर्ती के आवेदन की प्रक्रिया शुरु हुये अभी मात्र चार दिन ही हुये हैं।

हजार युवा भर्ती के लिए पंजीकरण कर चुके थे। इसमें सोमवार का आंकड़ा नहीं जोड़ा गया है। वायु सेना का कहना है कि युवाओं में भर्ती के लिए जिस तरह का उत्साह देखने को मिल रहा है उससे लगता है कि आवेदन करने वालों की संख्या बहुत अधिक होगी। वायु सेना ने कहा है कि वह इस भर्ती के दौरान 3000 अग्निवीरों की भर्ती करेगी।

पात्रा चॉल जमीन घोटाले में संजय राउत को ई.डी. ने समन जारी किया

संजय राउत ने कहा कि, बदले की भावना से मुझ पर कीचड़ उछालने के लिए देवेंद्र फडणवीस ने ऐसा करवाया है

मुंबई, 27 जून (वार्ता)। महाराष्ट्र में शिवसेना के प्रवक्ता एवं सांसद संजय राउत को प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) ने पूछताछ के लिए समन जारी किया है। उन्हें मंगलवार को अपराह्न 11 बजे एजेंसी के कार्यालय में बुलाया गया है।

राज्य में राजनैतिक उथल-पुथल के बीच राउत ने सोमवार को स्वयं ट्विटर पर कहा, मुझे अभी-अभी जानकारी मिली है कि मुझे ई.डी. ने बुलाया है।

उन्होंने लिखा, अच्छा है! महाराष्ट्र में बड़ी-बड़ी घटनाएं हो रही हैं। हम बालासाहेब के शिवसैनिक हैं और एक

- संजय राउत को मंगलवार को सुबह 11 बजे ई.डी के कार्यालय में बुलाया गया है।

बड़ी लड़ाई लड़ रहे हैं। यह मुझे रोकने की एक साजिश है। यदि मेरा सर धड़ से अलग भी कर दिया जाए तो भी मैं गुवाहाटी का रास्ता (बागी विधायकों का) नहीं पकडुंगा। मुझे गिरफ्तार कर लें! जय हिंद।

उल्लेखनीय है कि अपराधिक कमायी के शोधन मामलों की जांच करने वाली एजेंसी ई.डी. ने धन शोधन निवारक अधिनियम, 2002 के तहत जांच के सिलसिले में राउत की पत्नी वर्षा राउत और उनके दो सहयोगियों की अप्रैल में 11.15 करोड़ रुपये की संपत्ति को अस्थायी तौर पर कुर्क कर लिया था। संजय राउत ने प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) की ओर से जारी समन के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता व पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस को जिम्मेदार ठहराया है।

राउत को ई.डी. ने पूछताछ के लिए समन जारी किया है। उन्हें मंगलवार को अपराह्न 11 बजे एजेंसी के कार्यालय में बुलाया गया है। राज्य में राजनैतिक उथल-पुथल के बीच राउत ने सोमवार को ट्विटर पर कहा, मुझे अभी-अभी जानकारी मिली है कि मुझे ई.डी. ने बुलाया है।

उल्लेखनीय है कि अपराधिक कमायी के शोधन मामलों की जांच करने वाली एजेंसी ई.डी. ने धन शोधन निवारक अधिनियम, 2002 के तहत जांच के सिलसिले में राउत की पत्नी वर्षा राउत और उनके दो सहयोगियों की अप्रैल में 11.15 करोड़ रुपये की संपत्ति को अस्थायी तौर पर कुर्क कर लिया था। राउत ने कहा कि ईडी बेवजह परेशान कर रही है।

चर्च...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संबंध में करीब 57 केस दर्ज किए गए। बैंच ने कहा कि ''आप जो बता रहे हैं, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं और यदि यह सच है तो हम इस केस की सुनवाई ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद प्रथम दिन से ही करेंगे।'' याचिका में यह भी मांग की गई कि शीर्ष अदालत ने वर्ष 2018 में जो निर्देश जारी किए थे, उन्हें लागू किया जाए। उसने अपने निर्देश में कहा था कि घृणास्पद अपराधों के विरूद्ध एफ.आई.आर. दर्ज करने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाए।

'अम्बानी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि वह दखलंदाज व अनाधिकार प्रदेश करने वाला है हालांकि उनका दावा है कि वह सोशल एक्टिविस्ट हैं। यह याचिका राजनीति से प्रेरित, सारहीन और मिथ्या है। केन्द्र की तरफ से अपील करते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अम्बानी को सुरक्षा दिए जाने का त्रिपुरा से कोई लेन देन नहीं है और त्रिपुरा हाई कोर्ट को यह याचिका स्वीकार करने का न्यायाधिकार नहीं है।

विपक्ष के राष्ट्रपति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सर्वसम्मत उम्मीदवार के रूप में अपना पर्चा भरा, उस समय विपक्ष के अन्य नेताओं के साथ, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी, जम्मू-कश्मीर की नैशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला, आर.एल.डी. के जयन्त चौधरी, सी.पी.आई. (एम.) के सीताराम येचुरी, डी.एम.के. के ए. राजा, सी.पी.आई. के डी. राजा तथा तेलंगाना के मंत्री एवं टी.आर.एस. के नेता के.टी. रामाराव संसद भवन में मौजूद थे।

बाद में मीडिया को संबोधित करते हुए, राहुल गांधी ने कहा कि इस सर्वोच्च संवैधानिक पद के लिये सिन्हा की उम्मीदवारी के समर्थन में सारा विपक्ष एकजुट है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय जनता दल की मीसा भारती, रिवॉल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी के एन के प्रेमचन्द्र तथा इंडियन मुस्लिम लीग के मोहम्मद बशीर भी मौजूद थे।

लेकिन दो प्रमुख दलों-आम आदमी पार्टी तथा झारखंड मुक्ति मोर्चा-ये नामांकन के समय अपने प्रतिनिधि नहीं भेजे। शिव सेना के प्रतिनिधि भी मौजूद नहीं थे क्योंकि वह इस समय अपने अंदरूनी संकटों से जूझ रही है।

दो गैर भाजपा पार्टियाँ-मायावती की बसपा तथा ओडिशा की बीजेडी ने इस चुनाव के लिये आदिवासी प्रत्याशी मुर्मू का समर्थन कर दिया है। यदि वे निर्वाचित हो जाती है तो दौपद्री मुर्मू भारत की प्रथम आदिवासी राष्ट्रपति होंगी।

सिन्हा ने नामांकन प्रपत्रों के 4 सैट राज्यसभा के महासचिव पी सी मोडी को सौंप दिया, जो राष्ट्रपति चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर हैं।

पूर्व नौकरशाह तथा उसके बाद, अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में केन्द्रीय मंत्री रहे सिन्हा को अनेक विपक्षी नेताओं की मीटिंग में 21 जून को राष्ट्रपति चुनाव के लिये विपक्ष का संयुक्त प्रत्याशी बनाने का निर्णय लिया गया था।

अंतिम क्षणों में सिन्हा को और मजबूत करते हुये, के चन्द्रशेखर राव के नेतृत्व वाली तेलंगाना राष्ट्र समिति (टी.आर.एस. ने आज सुबह उन्हें अपना समर्थन देने की घोषणा कर दी, जबकि पहले उसे उनके चयन के तरीके तथा अपनी प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के साथ मंच साझा पर ऐतराज था।

नम्बरों का गणित सिन्हा के पूरी तरह से खिलाफ है और नैशनल डैमोक्रेटिक एलायंस की दौपद्री मुर्मू के जीतने की संभावना सर्वाधिक है। लेकिन आज विपक्ष ने जो ताकत दिखा उसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि विपक्ष भाजपा के खिलाफ एकजुटता दिखाने का प्रयास कर रहा है।

सिन्हा ने कहा कि ''रबर स्टाम्प'' राष्ट्रपति नहीं चलेगा और अगर मूर्मू बयाज वे चुने जाते हैं तो वे तो वे ''ज्यादा संवैधानिक'' प्रमुख बने थे। उन्होंने कहा कि मुर्मू से निजी लड़ाई नहीं है यह लड़ाई तो भारत के संविधान को बचाने की है।

उन्होंने कहा कि वे अपने पुराने भाजपा मित्रों से भी समर्थन के लिए संपर्क करेंगे। उन्होंने कहा, कि पुरानी भाजपा में वे आंतरिक लोकतंत्र का अंग थे। वर्तमान भाजपा में इसका अभाव है।

सत्तारूढ़ पार्टी के पास इलैक्टोरल कोलाज के 49 प्रतिशत वोट है और राष्ट्रपति को जीतने के लिए 50 प्रतिशत वोट चाहिए। नामांकन भरने की अंतिम तिथि 29 जून है और चुनाव 18 जुलाई को होगा।

'उन्होंने पहले...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अहमद, पूर्व विधायक कमल बैरवा, अजीज कुरैशी, दिनेश चौरासिया, मणिकांत गर्ग, सादिक चौहान, सुनील बंसल, अहसान बाबा, नईमुद्दीन अपोलो, रामदेव गुर्जर, राहुल सैनी, विकास लोदी, मुजीद, कजोड़ बैरवा, मणीन्द्र बैरवा, मो. अनवार, युसुफ इंजीनियर, युसुफ यूनिवर्सल, ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष रामसिंह मुकुल, हंसराज गाता, दीनदयाल कुक्कड महावीर तोगड़ा, सलीमुद्दीन खान और फौजूराम मीणा सहित कांग्रेसजन मौजूद रहे।

शिंदे सेना को रिलीफ मिली सुप्रीम कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि वे शिन्दे के नेतृत्व वाले शिवसेना के विद्रोही गुट द्वारा उनके खिलाफ पेश किये गये अविश्वास प्रस्ताव पर अपना विस्तृत शपथ-पत्र पेश करें।

जब स्पीकर ने, विद्रोही गुट द्वारा उन्हें हटाये जाने के प्रस्ताव की प्रामाणिकता तथा वैधता पर सवाल खड़े किये, तो सर्वोच्च न्यायालय ने एक दिशा निर्देश जारी किया। शिन्दे गुट ने संविधान ने अनुच्छेद 179 तथा महाराष्ट्र विधानसभा नियमों के नियम 11 के तहत उन्हें हटाये जाने के लिये 22 जून को एक नोटिस भेजा था।

जब डिप्टी स्पीकर के वरिष्ठ वकील राजीव धवन बैंच को बताया कि डिप्टी स्पीकर को हटाये जाने के प्रस्ताव की प्रामाणिकता इसलिये स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि यह ई-मेल द्वारा भेजा गया था, तो अदालत ने डिप्टी स्पीकर कार्यालय का सारा रिकॉर्ड माँग लिया।

यह पूछे जाने पर विद्रोही गुट ने बम्बई उच्च न्यायालय में याचिकायें दायर क्यों नहीं की तो शिन्दे के वरिष्ठ वकील नीरज किशन कौल ने अदालत से कहा कि अगर विद्रोही विधायक मुम्बई में कदम भी रखते, तो उन्हें अपनी जान का खतरा हो सकता था। उन्होंने कहा, ''अल्पमत में आ चुका शिवसेना विधायक दल राज्य-तन्त्र को समाप्त करते हुये, हमारे घरों पर हमले कर रहा है। वे कह रहे है। कि असम में हमारी लाशें ही वापस आयेंगी। मुम्बई का माहौल ऐसा नहीं रहा कि हम वहाँ अपने अधिकारों के न्यायिक कार्यवाही कर सकें।''

महाराष्ट्र सरकार के वकील द्वारा 39 विद्रोही विधायकों के बारे दिये गये बयान को रिकॉर्ड पर ले लिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि इस सम्बन्ध में यथेष्ट कदम उठाये जा चुके हैं तथा राज्य सरकार और सुनिश्चित कर देगी कि इन विधायकों की जान, स्वतन्त्रता एवं सम्पत्ति को नुकसान नहीं पहुँचे।

कौल ने जोर देते हुये कहा कि डिप्टी स्पीकर ऐसी स्थिति में विधायकों की डिसक्वालिफिकेशन की कार्यवाही करने के लिये समक्ष नहीं हैं, जब उन्हें खुद को हटाये जाने की याचिका विचाराधीन है। उन्होंने कहा 39 विधायक सेना के अल्पमत वाले गुट के खिलाफ एकजुट हैं।

कौल ने धवन के बयान को अदालत द्वारा रिकॉर्ड किये जाने की जरूरत बताई, लेकिन अभिषेक मनु सिंघवी ने यह कहते हुये आपत्ति जताई कि इसकी कोई आवश्यकता नहीं है।

ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना की ओर से प्रस्तुत वरिष्ठ वकील देवदत्त कामत ने कौल की बार-बार दोहराई जा रही इस माँग के बीच कहा ''मैं यह कहने की अनुमति चाहता हूँ कि ऐसा कोई आदेश नहीं है जिसमें कार्यवाहियों पर ''स्टे'' दिया गया हो। ऐसा कोई ऑर्डर पारित नहीं किया जा सकता डिसक्वालिफिकेशन के सम्बन्ध में दसवीं अनुसूची के पैरा 6 पर जरा नजर डालिये।''

उन्होंने इस पर आपत्ति जताई कि यह याचिका विचारणीय नहीं है। कामत ने कहा, व सर्वोच्च न्यायालय ने कर्नाटक विधायक केस में, उच्च न्यायालय न जाकर, सीधे सर्वोच्च न्यायालय जाने से सम्बन्धित वादियों के प्रयास का समर्थक नहीं किया था। इसके अलावा, केवल अविश्वास प्रस्ताव के भूत के कारण, विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने का प्रश्न ही नहीं है। विधानसभा वो नियम इसकी अनुमति नहीं देते। मुख्यमंत्री में अविश्वास व्यक्त करने के लिये, कोई कारण नहीं दिया गया है।

लेकिन जहाँ तक स्पीकर का प्रश्न है, अनुच्छेद 179 के तहत, उन्हें हटाये जाने के कारण दिये जाना जरूरी है। सदस्यों के केवल यह कहने से काम नहीं चल सकता कि उन्हे विश्वास नहीं है। यह आरोप लगाये जाने ही हो सकता है।''

उन्होंने दलील दी कि सर्वोच्च न्यायालय उन मामलों में दखल नहीं दे सकता, जो स्पीकर के समक्ष विचाराधीन हैं। उन्होंने कहा कि इस समय डिप्टी स्पीकर ही स्पीकर की भूमिका निभा रहे हैं क्योंकि स्पीकर का पद खाली है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600